संस्थापक :स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
रविवार
1 फरवरी 2026
वर्ष : 24 अंक : 219
कुल पृष्ठ : 08
मूल्य : एक रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

दुश्मनों के फाइटर जेट का काल है ये स्वदेशी मिसाइल

डीआरडीओ के आकाश एनजी ने दूर छिपे टारगेट को किया तबाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान में बढ़ते तनाव के बीच कई देशों में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। ऐसे में भारत भी लगातार अपनी सैन्य क्षमता में इजाफा कर रहा है। इसी कड़ी में डीआरडीओ की स्वदेशी मिसाइल तकनीक आकाश-एनजी को लेकर अहम अपडेट सामने आया है। आकाश नेक्स्ट जेन मिसाइल की मारक क्षमता को बढ़ाकर 50 किलोमीटर तक कर दिया है। ये स्वदेशी मिसाइल 50 किलोमीटर तक टारगेट पर सटीक निशाना लगाने में सफल साबित हुई। डीआरडीओ के आकाश एनजी मिसाइल की मारक क्षमता में इजाफा नए डुअल-पल्स मोटर

की सफल टेस्टिंग के बाद मिली है। इस नई तकनीक से अब यह मिसाइल दुश्मनों के फाइटर जेट को लेकर और भी खतरनाक हो गई है। अब हवाई खतरों को आसानी से मार गिराने में सक्षम होगी। आर्म्मेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट के प्रमुख अंकाथी राजू ने बताया कि इन टेस्ट के बाद सतह से हवा में मार करने वाली ये मिसाइल रडार पर आसानी से पकड़ में नहीं आएंगे। इससे पहले आकाश मिसाइलों में रैमजेट इंजन का इस्तेमाल होता था। एक खास रॉकेट मोटर लगाई गई है।

बहुत खास है मिसाइल क्षमता में हुआ बदलाव

आकाश एनजी की मारक क्षमता में इजाफे से अब ये लड़ाकू विमानों, क्रूज मिसाइलों और तेज रफ्तार वाले ड्रोनों को भी आसानी से निशाना बना सकती है। ये ऐसे टारगेट होते हैं जिन्हें पुराने एयर डिफेंस सिस्टम पकड़ नहीं पाते थे। इस मिसाइल की रेंज में सबसे बड़ा सुधार इसके प्रोपल्शन सिस्टम में किए गए बदलावों की वजह से हुआ है। परीक्षण के दौरान आकाश-एनजी मिसाइल ने 50 किलोमीटर की पूरी रेंज पर एक तेज गति वाले बंशी पायलटलेस टारगेट एयरक्राफ्ट को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट किया और नष्ट कर दिया। बंशी ड्रोन को खास तौर पर ऐसे मुश्किल टारगेट पर ऐक्शन लिए जाना जाता है, इसमें जमीन के बहुत करीब उड़ने वाली क्रूज मिसाइलें और अनमैन्ड एरियल व्हीकल शामिल हैं।

देश की पहली एलएनजी ट्रेन चलने को हुई तैयार

- एक बार टैंक फुल करने पर 2200 किलोमीटर तक चलेगी
- डीजल की तुलना में तीन गुना खर्च होगा कम, रेलवे भी तैयार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत की रेल सुविधाओं में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। क्योंकि देश की पहली लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) से चलने वाली ट्रेन अहमदाबाद पहुंच गई है। इस हाईटेक ट्रेन की खास बात यह है कि यह एक बार पूरी तरह से भरे टैंक में 2200 किलोमीटर तक की लंबी दूरी तय कर सकती है। मेहसाणा और साबरमती में चल रहा ट्रायल गुजरात के मेहसाणा और साबरमती खंड के बीच ट्रेन का ट्रायल चल रहा है। ये ट्रेन अब तक 2000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुकी है। आने वाले समय में इस खंड की 8 से 10 और ट्रेनों में एलएनजी तकनीक को अपनाने की योजना है। सफल ट्रायल के बाद इस तकनीक का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत, लगभग 1400 हॉर्सपावर क्षमता वाली ट्रेनों को एलएनजी ईंधन प्रणाली में परिवर्तित किया गया है। प्रदूषण में आएगी भारी कमी अहमदाबाद के डीआरएम वेद प्रकाश ने बताया कि एलएनजी डीजल से सस्ता होने के कारण ट्रेन चलाने की कुल लागत कम हो जाती है। एलएनजी ईंधन से प्रदूषण में भी भारी कमी आती है। कार्बन डाई ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और धूल के कण जैसे हानिकारक तत्व कम मात्रा में होंगे।

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी सुनेत्रा बनीं उपमुख्यमंत्री

- महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम, 12 मिनट का शपथ ग्रहण; शरद पवार नहीं पहुंचे

मुंबई/बारामती (एजेंसी)। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे। इससे पहले दिन में एनसीपी विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी।

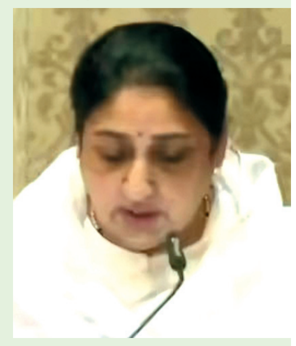

जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी सीएम की शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। अजित पवार की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी सीएम पद खाली हो गया था। महाराष्ट्र लोकभवन में शाम 5 बजे आयोजित सादे समारोह में सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री की शपथ दिलाई गई। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और एनसीपी नेता सुनीत तटकरे, प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे समेत पार्टी के विधायक मौजूद रहे। हालांकि इस दौरान शरद पवार मौजूद नहीं रहे।

अजितदादा पवार का सपना आगे बढ़ाएंगी सुनेत्रा जी- सुनेत्रा पवार के महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप शपथ लेने पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी है। शनिवार शाम सुनेत्रा पवार को राज्यपाल ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

यूपी में कोटेदार गांवों में बनाएंगे आयुष्मान कार्ड

- लाभार्थियों की आईडी और पासवर्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू

अमेठी (एजेंसी)। शासन के निर्देश पर अब गांव-गांव आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिए कोटेदारों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी कोटेदारों की आईडी और पासवर्ड

बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई। तकनीकी टीम की ओर से कोटेदारों से आवश्यक अभिलेख जमा कराकर उनकी आईडी जनरेट की गई। कार्यक्रम में मौजूद आपूर्ति निरीक्षक शुभम कुमार ने बताया कि शासन से स्पष्ट निर्देश मिले हैं कि जिन उपभोक्ताओं का अभी तक आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, पहले उनका कार्ड बनाया जाएगा।

आम बजट आज

- मिडिल क्लास को बड़ी उम्मीदें
- टैक्स कट, डिफेंस और हेल्थकेयर में हो सकती है राहत की बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल 1 फरवरी को पेश होने वाला आम बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का एक अहम बजट माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कल सुबह 11 बजे संसद में ये बजट पेश करेंगी। पिछले साल का बजट एक लोकप्रिय बजट माना जाता है जिसमे मिडिल क्लास को बड़ी राहत मिली थी। इस बजट में इनकम टैक्स में छूट, सैलरीड क्लास के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, सस्ती दवाओं और इंश्योरेंस सेक्टर में सुधार जैसे बड़े फैसले लिए गए थे। इस साल सरकार का ध्यान अर्थव्यवस्था पर है। बता दें कि भारतीय शेयर बाजार में भी कल आम दिनों की तरह ही कारोबार होगा।

अजित चाहते थे कि दोनों एनसीपी एक हों: शरद पवार

- सब कुछ तय था, 12 फरवरी को ऐलान होना था, बारामती में घर पर बैठक हुई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर शरद पवार ने शनिवार को कहा, 'यह अजित पवार की भी इच्छा थी। इसे जरूर पूरा होना चाहिए।' शरद ने कहा कि अजित, शशिकांत शिंदे और जयंत पाटिल ने दोनों गुटों के विलय के बारे में बातचीत शुरू की थी। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी को विलय का ऐलान होना था लेकिन दुर्भाग्य से, अजित उससे पहले हमें छोड़कर चले गए। सूत्रों के मुताबिक अजित ने 17 जनवरी को बारामती में शरद पवार से मुलाकात की थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि विलय पर चर्चा हुई थी। इस मीटिंग का वीडियो भी सामने आया है।

- रविदास जयंती पर डेरा सचखंड बल्लां जाने का है कार्यक्रम

पीएम के पंजाब दौरे से पहले स्कूलों को उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से ठीक एक दिन पहले जालंधर के कैम्ब्रिज स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। शनिवार को ईमेल द्वारा मिली धमकी के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्कूल में तलाशी अभियान चलाया। ईमेल भेजने वाले ने खुद को 'बिली हॉल' बताया है और धमकी दी कि पीएम मोदी के दौरे के संबंध में तीन से चार स्कूलों में बम धमाके किए जाएंगे।

ईमेल में पीएम मोदी के डेरा सचखंडा बल्लां जाने का भी जिक्र है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जालंधर की पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने बम की धमकी वाले ईमेल की पुष्टि की और बताया कि मामले की जांच चल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जालंधर के स्कूल शनिवार को सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद थे, क्योंकि रविवार को गुरु रविदास जयंती मनाई जानी है और शोभायात्रा भी निकाली जा रही है। पीएम मोदी रविवार को जालंधर के पास बल्लां गांव में स्थित डेरा सचखंड बल्लां जाएंगे।

पीएम मोदी गुरु रविदास की 649वीं जयंती पर डेरा सचखंड बल्लां जा रहे हैं।

- **डीजीपी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा-** पीएम मोदी के दौरे को लेकर पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने जालंधर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सीनियर अधिकारियों को डेरा में कड़ी निगरानी रखने, सभी आने-जाने वाले रास्तों को सुरक्षित करने और भीड़ प्रबंधन के प्रभावी उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के जवानों को भी डेरा सचखंड बल्लां में तैनात किया गया है। अडमपुर से डेरा तक बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने 30 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक जालंधर को नो-फ्लाई जोन घोषित किया है। इस आदेश के तहत जिले की सीमा के भीतर किसी भी तरह के ड्रोन, हेलीकॉप्टर या रिमोट से चलने वाले विमानों को उड़ाने की मनाही है।

नीले-पीले कलर में पुतेंगे पंजाब के 852 स्कूल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के 852 स्कूलों की रंगाई-पुताई के आदेश से बड़ा बखेड़ा खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि भगवंत मान सरकार स्कूलों को आम आदमी पार्टी के नीले-पीले झंडे में रंग रही है। हालांकि आम आदमी पार्टी का कहना है कि पुताई के लिए रंगों का कोड शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने तय किया है, सरकार ने नहीं। डायरेक्टर जनरल ऑफ स्कूल एजुकेशन अरविंद कुमार एमके ने बताया कि रंगों के चुनाव के पीछे राजनीतिक सोच नहीं है। सरकार सिर्फ उन्हीं स्कूलों को पुतवा रही है, जिसमें पांच साल या उससे अधिक समय से पेंट नहीं हुआ है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर से बाहर होंगे घुसपैठिए

- शाह बोले-जो रह जाएंगे उनको भाजपा का सीएम निकाल देगा

कोलकाता (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के नॉर्थ परगना में कहा कि, ममता सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। बंगाल के लोग टीएमसी को उखाड़ फेकेंगे। इनकी विदाई का समय आ गया है। ममता जी को एसआईआर का जितना विरोध करना हैं कर लें। मतदाता सूची से घुसपैठियों को निकालना ही पड़ेगा। जो बचे घुसपैठिये रह जाएंगे वो भाजपा का सीएम आकर निकाल देगा। साल 2026 टीएमसी को टाटा, बाय-बाय कहने का साल है। टीएमसी तो कम्युनिस्टों से भी आगे निकल गई है। जब मैं पहले आया था, तो मैंने कहा था कि पश्चिम बंगाल में भारी बहुमत से बीजेपी की सरकार बनेगी। उस समय ममता बनर्जी मेरा मजाक उड़ा रही थीं। लेकिन जब भगवान राम ने राम सेतु बनाया था, तो रावण ने भी इसी तरह उनका मजाक उड़ाया था। 2024 में तीन दशक के बाद पहली बार मोदी लगातार तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं। 24 में ही हमने आंध्र प्रदेश में सरकार बनाई। हमने ओडिशा में सरकार बनाई। अरुणाचल में तीसरी बार सरकार बनाई। 2025 में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में 30 साल के बाद सरकार बनाई और 25 का अंत आते-आते बिहार में भी प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा और एनडीए की सरकार बनी।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखु ने शिमला में सांसद और हिमाचल प्रदेश कांग्रेस पार्टी के कार्य प्रभारी रजनी पाटिल से मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह और आयुष मंत्री यादविंदर गोमा भी उपस्थित थे।

व्यवस्था परिवर्तन के तहत ग्रामीण अधोसंरचना को किया जा रहा सुदृढ़: मुख्यमंत्री

प्रदेश सरकार कर रही गांवों का समावेशी विकास सुनिश्चित

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए स्वीकृत विभिन्न क्षेत्रीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागों को निर्देश दिए कि सभी लंबित विकास कार्यों को अगले तीन महीनों के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की लगभग 90 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को प्रमुखता प्रदान की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे चहुंमुखी विकास से राज्य के सतत और समावेशी विकास को आंका जा सकता है।

बैठक के दौरान कई क्षेत्रीय कार्यों में धनराशि की स्वीकृति के उपरांत भी परियोजना के शुरू होने में विलम्ब अथवा इनकी धीमी गति पर समीक्षा की गई। इनमें पिछड़ा क्षेत्र उप-योजना, एमपीएलएडी, विधायक क्षेत्र विकास निधि योजना, लोकल एरिया डेवलपमेंट फंड, मुख्यमंत्री ग्राम पथ योजना तथा अन्य विधायक-वित्तपोषित योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई छोटे लेकिन आवश्यक कार्य जैसे हैंडपंपों की स्थापना, पैदल रास्तों, नालियों, सामुदायिक भवनों, रिटेनिंग वॉल, फुट ब्रिज, सिंचाई नहरों, चारदीवारी और गांव की सड़कों आदि का निर्माण से संबंधित कार्य लंबित पड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के विकेन्द्रित और आवश्यकता आधारित कार्य सीधे स्थानीय लोगों से जुड़े हुए होते हैं तथा ग्रामीण अधोसंरचना मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के गठन के बाद से 'व्यवस्था परिवर्तन' के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए प्रणालीगत असंतुलनों में सुधार करना और ग्रामीण विकास प्रणाली को पुनःस्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई छोटे कार्य लंबे समय तक लंबित रहते हैं जबकि उनके लिए धनराशि पहले ही संबंधित विभागों को जारी की जा चुकी है।

विवरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 11,064 क्षेत्रीय कार्य, जिनकी लागत 204 करोड़ रुपये थी, शुरू ही नहीं किए गए थे, जबकि 348 करोड़ रुपये की लागत के 16,834 कार्य लंबे समय से निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने उपायुक्तों और फील्ड अधिकारियों के साथ हुई बैठक में लंबित योजनाओं को तेज़ी से पूरा करने और समयबद्ध ढंग से विकास कार्यों को पूरा करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए थे तथा इसकी रिपोर्ट सीधे उनके कार्यालय को देने के भी निर्देश थे। उन्होंने कहा कि सघन निगरानी और अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देशों की परिणामस्वरूप अक्तूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच 18,262 कार्य एवं छोटी योजनाएं पूर्ण की गईं, जिससे ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कार्यों की प्रगति की निगरानी उच्चतम स्तर पर 'रियल-टाइम डैशबोर्ड' के माध्यम से की जा रही है। फील्ड अधिकारियों को दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि निरंतर ट्रैकिंग और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पारदर्शी, आवश्यकता-आधारित और न्यायसंगत विकास को केंद्र में रखकर कार्य कर रही है, ताकि सभी विधानसभा क्षेत्रों में समान रूप से विकास सुनिश्चित किया जा सके। जल शक्ति, लोक निर्माण विभाग, खंड विकास कार्यालय और पंचायतों सहित विभागों व स्थानीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि जो स्वीकृत कार्य रुके हुए हैं अथवा जिन कार्यों की प्रगति बहुत धीमी है उन्हें तेज़ी से पूरा किया जाए। सचिव योजना डॉ. अभिषेक जैन ने विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि 11,064 कार्य शुरू नहीं हुए थे, जिनमें से 177 करोड़ रुपये के 9,689 कार्य अक्तूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच तीन महीनों के भीतर पूरे कर दिए गए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से निर्माणाधीन 16,384 कार्यों में से 8,573 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, इनकी लागत 159 करोड़ रुपये थी। शेष कार्यों को मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार अगले तीन महीनों में पूरा किए जाने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि जमीनी सत्यापन और तेज़ निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए चंबा, कुल्लू और बिलासपुर सहित विभिन्न जिलों में फील्ड विजिट और समीक्षा बैठकें आयोजित की गई हैं। लंबे समय से लंबित उपयोगिता प्रमाणपत्र भी संबंधित एजेंसियों से प्राप्त कर लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'व्यवस्था परिवर्तन' के तहत सरकार लंबित विकास कार्यों को तेज़ी से पूरा करने, कड़े निगरानी तंत्र और सार्वजनिक धन का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि विकास का लाभ हर गांव और समाज के हर वर्ग तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने डीडीटीएंडजी को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किए जाने पर दी शुभकामनाएं

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के डिजिटल टेक्नोलॉजीज एंड गवर्नेंस (डीडीटीएंडजी) विभाग को नई दिल्ली में आयोजित 6वें गवर्नेंस नाउ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन समिट एंड अवॉर्ड्स में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किए जाने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रमुख नवाचार पहल 'हिम परिवार' को शासन को सुदृढ़ बनाने और जनसेवा वितरण में सुधार के लिए डिजिटल तकनीकों के नवोन्मेषी उपयोग के लिए सराहा गया है। यह पुरस्कार हाल ही में शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया था और कल मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवीनीकरण और गवर्नेंस) गोकुल बुटेल द्वारा औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री को सौंपा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल के माध्यम से परिवार-आधारित नागरिक केन्द्रित एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया गया है, जिससे लाभार्थियों की सटीक पहचान संभव होती है। इससे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लक्षित वर्गों तक पहुंचाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह समान नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और तकनीक-आधारित शासन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि राज्य में मजबूत डिजिटल पब्लिक अधोसंरचना विकसित करने और नागरिकों के लिए उपयोगी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध करवाने में विभाग द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विभाग भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ कार्य करते हुए डिजिटल गवर्नेंस पहलों को और सुदृढ़ करेगा, ताकि हिमाचल प्रदेश के लोग व्यापक रूप से लाभान्वित हो सके।

पर्यवेक्षक के पद से बलबीर सिंह व देखभाल सहायक के पद से विजय सिंह हुए सेवानिवृत, विधान सभा सचिवालय में आयोजित किया गया विदाई समारोह

शिमला। आज दिनाँक 31 जनवरी, 2026 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय में पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत बलबीर सिंह 25 वर्ष 11 महीने का कार्यकाल व देखभाल सहायक विजय सिंह 30 वर्ष 3 महीने का कार्यकाल पूर्ण करने के उपरान्त सेवानिवृत हुए। आज विधान सभा सचिवालय के पुस्तकालय कक्ष में सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उनकी सेवानिवृति के अवसर पर आयोजित एक सादे समारोह में विजय सिंह को टोपी, शॉल तथा गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया जबकि बलबीर सिंह परिवार में हुई अप्रिय घटना के कारण इस विदाई समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। विजय सिंह इन 30 वर्षों में विभिन्न पदों पर रहे जबकि 21 अक्तूबर, 1995 को विधान सभा में फाश के पद पर उनकी नियुक्ति हुई थी जबकि बलबीर सिंह का भी इन 25 वर्षों का कार्यकाल शानदार रहा उनकी नियुक्ति 3 सितम्बर, 2000 को विधान सभा में चालक के पद पर हुई थी। इस अवसर पर विधान सभा सचिव ने विजय सिंह व बलबीर सिंह के द्वारा दी गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें सेवानिवृति की बधाई दी तथा उन्हें भविष्य की योजनाओं की शुभकामनाएं भी दी। विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने दोनों द्वारा दी गई सेवाओं की प्रशंसा की तथा उन्हें अपनी ओर से उत्तम भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

अनुशासन और कठिन परिश्रम से हासिल होते हैं जीवन के ऊँचे लक्ष्य: केवल सिंह पठानिया

एस.आर.एम. पब्लिक स्कूल हारचक्कियाँ के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में शिरकत कर नवाजे होनहार

धर्मशाला। विधानसभा उपमुख्य सचेतक एवं शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक केवल सिंह पठानिया ने शनिवार को एस.आर.एम. पब्लिक स्कूल हारचक्कियाँ में आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि युवा पीढ़ी का बेहतर भविष्य गुणवत्तायुक्त शिक्षा पर निर्भर करता है। कठिन परिश्रम और अनुशासन से ही जीवन में ऊँचे लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि छात्र जीवन में परिश्रम और अनुशासन की आदत डालनी चाहिए, जिससे इसका लाभ जीवन भर मिलता है। उन्होंने बच्चों को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसी के अनुरूप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि चंगर क्षेत्र का संपूर्ण विकास करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में इसी क्षेत्र में एचआरटीसी की नई बसें भी चलाई जाएंगी। उन्होंने एसआरएम पब्लिक स्कूल के सभी बच्चों को स्कूल बैग देने की घोषणा की और कहा कि अप्रैल माह से पूरे शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी स्कूलों के बच्चों को पानी की बोतलें भी उनकी और से उपलब्ध करवाई जाएंगी। इससे पहले स्कूल के एम.डी. ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। उन्होंने शिक्षा, सांस्कृतिक एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों की सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए अपनी और से 51 हजार रुपए देने की भी घोषणा की। इससे पूर्व उपमुख्य सचेतक एवं विधायक केवल सिंह पठानिया ने वन विभाग, विश्राम गृह लपियाणा का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायज़ा लिया।

देश के प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा को दी श्रद्धांजलि - विधानसभा उपमुख्य सचेतक एवं विधायक केवल सिंह पठानिया व उपस्थित लोगों ने समारोह के दौरान, हिमाचल प्रदेश के महान सपूत एवं देश के प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा की जयंती के अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी ने उनके अदम्य साहस, वीरता और बलिदान को स्मरण किया। मेजर सोमनाथ शर्मा ने वर्ष 1947 के भारतङ्गपाक युद्ध के दौरान श्रीनगर हवाई अड्डे की रक्षा करते हुए दुश्मन के आक्रमण का वीरतापूर्वक सामना किया और मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस अवसर पर एसडीएम कांगडा इशांत जस्वाल, डीएफओ धर्मशाला, तहसीलदार हारचक्कियाँ, स्कूल प्रबंधन समिति सदस्य, विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक, स्कूल के विधार्थी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

297 पदों के लिए 06 फरवरी को कैंपस इंटरव्यू

सोलन। ज़िला रोज़गार अधिकारी कार्यालय सोलन में 06 फरवरी, 2026 को 297 पदों की भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि मैसर्ज़ वीनस रेमेडिज लिमिटेड बद्दी द्वारा पेंटर, हेल्पर व एग्ज़ीक्यूटिव ऑफिसर के 25 पद, मैसर्ज़ विंसम टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज बद्दी में हेल्पर, डोफर, वाइंडर, फीटर, इलेक्ट्रिशियन के 115 पद, मैसर्ज़ ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटिड नालागढ़ में आई.टी.आई. व नॉन आई.टी.आई. के 150 पद तथा मैसर्ज़ क्लब महिंद्रा कण्डाघाट में रूम अटेंडेंट, हाउसकीपिंग व सुपरवाइजर के 07 पदों पर भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, एच.एम., आई.टी.आई. (सभी ट्रेड), बी.फार्मा व आयु 20 से 38 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। ज़िला रोज़गार अधिकारी ने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. में प्राप्त कर सकते हैं। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रेजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोज़गार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता सम्बन्धी सभी अनिवार्य प्रमाण पत्रा व दस्तावेज सहित ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में 06 फरवरी, 2026 को प्रात: 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में सम्पर्क किया जा सकता है।

जिले में फरवरी माह भर लगेंगे आयुष्मान आरोग्य शिविर, बीपी–शुगर जांच व चेस्ट एक्स–रे की मिलेगी सुविधा : सीएमओ

धर्मशाला। जिला कांगड़ा में आम जनता को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से फरवरी 2026 के दौरान आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी विवेक करोल ने बताया कि इन शिविरों में रक्तचाप (बीपी), शुगर जांच के साथ–साथ हैंडहेल्ड एक्स–रे मशीन से जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। यह शिविर इंटेंसिफाइड टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कांगड़ा ने बताया कि सभी शिविर प्रात: 9 बजे से आरंभ होंगे। शिविरों में 14 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक स्वास्थ्य जांच करवा सकते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया 2 फरवरी महाकाल ब्लॉक के जिखली बेठ, 03 फरवरी को महाकाल ब्लॉक के भट्टू में, 04 फरवरी को ज्वालामुखी ब्लॉक के हीरन में, 05 फरवरी को ज्वालामुखी ब्लॉक के शिहारेपाईं में, 06 फरवरी को तियारा ब्लॉक के बीरता में, 07 फरवरी को भवारना ब्लॉक के आंगनवाड़ी केंद्र परौर खास में, 09 फरवरी शाहपुर ब्लॉक के मनेड में, 10 फरवरी को नगरोटा बगवां ब्लॉक के वराई में, 11 फरवरी को शाहपुर ब्लॉक के रामनगर में, 13 फरवरी को तियारा ब्लॉक के घुरखड़ी खास में, 16 फरवरी को नूरपुर ब्लॉक के छतरोली मठोली में, 17 फरवरी को नूरपुर ब्लॉक के रोड अघर में, 18 फरवरी को शाहपुर ब्लॉक रेहलू खास, 19 फरवरी को शाहपुर ब्लॉक के अप्पर अंसुई में, 20 फरवरी को थुरल ब्लॉक के लोअर लम्बागांव में, 21 फरवरी को थुरल ब्लॉक के जगरूप नगर में, 23 फरवरी गोपालपुर ब्लॉक के अवेरी में, 24 फरवरी को गोपालपुर ब्लॉक के घुग्गर में, 25 फरवरी नगरोटा सूरियां ब्लॉक के बाग में, 26 फरवरी को नगरोटा सूरियां ब्लॉक के धियाल में, 27 फरवरी को नगरोटा बगवां ब्लॉक के तंगरोटी खास में तथा 28 फरवरी को नगरोटा बगवां ब्लॉक के मझेटली उपरली में यह शिविर आयोजित किए जायेंगे।

राजस्थान के युवा करेंगे जिला कांगड़ा का भ्रमण

पांच दिवसीय अंतर–राज्य युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन

धर्मशाला। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत कांगड़ा द्वारा पांच दिवसीय अंतर-राज्य युवा आदानदृप्रदान कार्यक्रम का आयोजन 02 से 06 फरवरी 2026 तक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण केंद्र छेब, कांगड़ा में किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों से 35 युवा प्रतिभागी एवं 02 अनुरक्षक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को हिमाचल प्रदेश के रीति-रिवाज, संस्कृति, परंपराओं एवं स्थानीय खान-पान से परिचित करवाना है। कार्यक्रम के दौरान युवा प्रतिभागियों को जिला कांगड़ा के विभिन्न प्रमुख पर्यटन एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण करवाया जाएगा, जिससे उन्हें शैक्षिक एवं अनुभवात्मक अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त युवाओं के लिए क्लासरूम प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें साइबर सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता, स्वरोजगार एवं व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा जानकारी दी जाएगी।

इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों से 37 युवा प्रतिभागी आगामी 09 फरवरी 2026 से राजस्थान राज्य में आयोजित होने वाले युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए उप-निदेशक, मेरा युवा भारत कांगड़ा ध्रुव डोगरा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा युवाओं में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सुदृढ़ करने तथा माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने हेतु इस प्रकार के युवा आदान प्रदान कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित किए जाते हैं।

नशे की रोकथाम को लेकर संगठित प्रयासों की जरूरत: एडीएम शिल्पी बेक्टा

धर्मशाला। जिला कांगड़ा में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक व्यापक और समन्वित अभियान चलाने की आवश्यकता है। नशे की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, अन्य संबंधित सरकारी विभागों के साथ-साथ क्षेत्र में कार्यरत गैर सरकारी संस्थाओं और आम समाज को संगठित रूप से कार्य करना होगा। यह बात एडीएम शिल्पी बेक्टा ने राष्ट्रीय नार्को समन्वय पोर्टल (एनसीओआरडी) की जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। शनिवार को उपायुक्त कार्यालय परिसर स्थित एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएनटीएफ) राजेन्द्र जसवाल भी उपस्थित रहे।

एडीएम शिल्पी बेक्टा ने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए जिले में एक पूर्णतः समर्पित जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग तथा गैर सरकारी संस्थाएं आपसी समन्वय से जागरूकता सामग्री तैयार करें। उन्होंने नशे के आदी व्यक्तियों तथा संभावित आसक्त युवाओं के लिए अलग-अलग जागरूकता सामग्री विकसित करने पर बल दिया, ताकि प्रत्येक वर्ग को उसकी स्थिति के अनुरूप प्रभावी ढंग से जागरूक किया जा सके।

शिल्पी बेक्टा ने निर्देश दिए कि जिले में चल रहे निजी नशा निवारण एवं पुनर्वास केंद्रों का नियमित और निरंतर निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर नशे के दुष्प्रभावों को लेकर गंभीर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि स्कूलों में गठित प्रहरी क्लबों को सक्रिय किया जाए। साथ ही 'संवाद' (एस.ए.एम.वी.ए.ए.डी. ङ्क सिस्टेमैटिक अडोलसेंट मैनेजमेंट एंड वैल्यू एडीशन डायलॉग) कार्यक्रम के माध्यम से स्कूली बच्चों के बीच शिक्षा एवं जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित किया जाए।

उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार को नियंत्रित करने और युवाओं को इससे बाहर निकालने के लिए समाज के हर वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने आमजन से अपील की कि नशे की गिरफ्त में फंसे युवाओं अथवा इससे जुड़े मामलों की जानकारी बिना किसी भय या झिझक के पुलिस प्रशासन को दें। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन ऐसे मामलों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि नशे से संबंधित शिकायतों के लिए 1933 टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर प्रभावी रूप से कार्यरत है, जिस पर कोई भी व्यक्ति गोपनीय रूप से सूचना दे सकता है। इसके अतिरिक्त नशे की रोकथाम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एनसीओआरडी की बैठकें एवं कार्रवाई उप-मंडल (सब-डिवीजन) स्तर पर भी सुनिश्चित की जाएंगी, ताकि जमीनी स्तर पर समन्वय और निगरानी को मजबूत किया जा सके।

बैठक में एसडीएम मोहित रत्न, जिला कल्याण अधिकारी साहिल मांडला, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश सूद, डॉक्टर महिमा, जिला रेडक्रॉस के सचिव ओपी शर्मा, असिस्टेंट कमिश्नर एक्साइज विनोद कुमार, डिप्टी डायरेक्टर प्रारंभिक शिक्षा अजय संब्याल, प्राचार्य गवर्नमेंट कॉलेज धर्मशाला राकेश पठानिया, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी एसडीएम, डीएसपी तथा बीएमओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने बीपीएल सर्वेक्षण के चौथे चरण को 1 फरवरी से शुरू करने के दिए निर्देश

राज्य के 59,829 परिवार अब तक बीपीएल सूची में शामिल

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवारों की पहचान के लिए सर्वेक्षण का चौथा चरण 1 फरवरी, 2026 से शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का हर पात्र गरीब परिवार का नाम बीपीएल सूची में शामिल करने का उद्देश्य है, ताकि उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण पांच चरणों में किया जाएगा, ताकि कोई भी जरूरतमंद परिवार छूट न जाए।

उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के पहले तीन चरणों में प्रदेश भर में कुल 59,829 परिवारों को बीपीएल सूची में शामिल किया गया है। जिलेवार आंकड़ों के अनुसार बिलासपुर में 2,204, चंबा में 13,786, हमीरपुर में 3,480, कांगड़ा में 10,807, किन्नौर में 1,109, कुल्लू में 2,957, लाहौल-स्पीति में 206, मंडी में 12,045, शिमला में 4,522, सिरमौर में 1,277, सोलन में 1,567 और ऊना में 5,869 परिवारों को बीपीएल घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बीपीएल सूची में शामिल करने के लिए कुछ मुख्य पात्रता शर्तें भी निर्धारित की हैं। जिन परिवारों में 27 वर्ष तक के अनाथ बच्चे, 59 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्य, या 27 से 59 वर्ष की आयु के दिव्यांग सदस्य हैं, वे बीपीएल में शामिल किए जा सकते हैं। इसके अलावा जिन परिवारों की मुखिया महिला हो और परिवार में 27 से 59 वर्ष के बीच कोई वयस्क पुरुष सदस्य न हो, तथा जिन परिवारों के मुखिया को 50 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता हो, उन्हें भी बीपीएल सूची में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अन्य पात्र परिवारों में वे परिवार शामिल होंगे जिन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में मनरेगा के तहत कम से कम 100 दिन काम किया हो। साथ ही जिन परिवारों के कमाने वाले सदस्य कैंसर, अल्जाइमर, पार्किंसन, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, हीमोफीलिया जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हों या कोई ऐसी बीमारी हो जिससे स्थायी दिव्यांगता होती हो, उन्हें भी बीपीएल में शामिल किया जाएगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। * सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

सूरजकुंड में 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले का भव्य आगाज

मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने किया मेले का उद्घाटन

● मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सूरजकुंड मेला आगमन पर उपराष्ट्रपति का किया स्वागत ● 'वसुधैव कुटुंबकम' के शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता सूरजकुंड शिल्प मेला - श्री सी.पी. राधाकृष्णन ● उपराष्ट्रपति ने कहा, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से सशक्त हो रहा कारीगर समुदाय

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सूरजकुंड में शनिवार को 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला-2026 का भव्य आगाज हुआ, जो 15 फरवरी तक चलेगा। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी.राधाकृष्णन ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, मेले में सहयोगी देश मिस्र के प्रतिनिधि, हरियाणा के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, हरियाणा के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम उपस्थित रहे। मेले के शुभारंभ अवसर पर उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने मेला परिसर में हरियाणा के अपना घर पवेलियन का दौरा किया, जहां हरियाणवी पगड़ी पहनाकर उनका पारंपरिक स्वागत-सत्कार किया गया। उपराष्ट्रपति ने मेले के थीम स्टेट मेघालय के स्टॉलों का अवलोकन करते हुए शिल्पकारों से संवाद किया तथा उनके हुनर की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने मेले में सहभागी विभिन्न देशों और राज्यों की सांस्कृतिक विधाओं का अवलोकन कर कलाकारों एवं शिल्पकारों का उत्साहवर्धन किया। मेला परिसर की मुख्य चौपाल के मंच से उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेले में आने वाले आगंतुकों की सुविधा हेतु मेला साथी ऐप का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा उन्हें पांचजन्य शंख और महाभारत के दृश्य को दर्शाती एक आकर्षक पेंटिंग भेंट की गई।

'वसुधैव कुटुंबकम' के शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता सूरजकुंड शिल्प मेला - उपराष्ट्रपति - उद्घाटन करने उपरांत उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला दशकों से भारत की सांस्कृतिक आत्मा, कलात्मक उत्कृष्टता और सभ्यतागत निरंतरता का जीवंत प्रतीक रहा है। यह उत्सव 'वसुधैव कुटुंबकम' के उस शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता है, जिसमें पूरी दुनिया को एक परिवार माना गया है।

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव के मंच पर छाई गोहाना की जलेबियों की मिठास

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित देशी-विदेशी मेहमानों ने चखा स्वाद

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 39वें अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव - 2026 के भव्य शुभारंभ के अवसर पर सूरजकुंड की मुख्य चौपाल उस समय खास मिठास से भर गई, जब मंच पर गोहाना की विश्व प्रसिद्ध जलेबियों पर अनूठा संवाद देखने को मिला। हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा स्वयं गोहाना की ताजा जलेबियां लेकर मंच पर पहुंचे और भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, इजिप्ट के एम्बेसडर कामिल जायद गलाल, डिप्टी एम्बेसडर दालिया तांतवे सहित देश-विदेश से आए विशिष्ट अतिथियों को जलेबी खिलाकर हरियाणा की लोक-संस्कृति और स्वाद की पहचान से रूबरू कराया। जलेबी का स्वाद चखते ही मंच पर मुस्कान और आत्मीयता का माहौल बन गया। उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने जलेबी की तारीफ करते हुए कहा, यह सिर्फ एक मिठाई नहीं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

वहीं मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हंसते हुए कहा, गोहाना की जलेबी का स्वाद आज भी वही है, जो इसे पूरे देश में खास बनाता है। डॉ. अरविंद शर्मा ने मंच से संवाद करते हुए कहा कि गोहाना की जलेबी हरियाणा की पहचान बन चुकी है और यह स्थानीय कारीगरों, व्यापारियों और पारंपरिक हुनर की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा, सूरजकुंड शिल्प मेला 'लोकल टू ग्लोबल - आत्मनिर्भर भारत' की सोच को साकार करता है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सूरजकुंड अंतराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव का थीम लोकल टू ग्लोबल - आत्मनिर्भर भारत की पहचान रखा गया है, जिसमें देश-विदेश के शिल्पकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। गोहाना की जलेबियों की मिठास ने इस थीम को मंच पर जीवंत रूप में प्रस्तुत कर दिया।

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले को मिलेगा डिजिटल विस्तार, अब साल भर ऑनलाइन बिकेंगे हस्तशिल्प उत्पाद : डॉ. श्रीवत्स कृष्ण

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सचिव डॉ. श्रीवत्स कृष्ण ने कहा कि प्रधानमंत्री के विज़न के अनुरूप शिल्पकारों के हुनर को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए सूरजकुंड मेले का एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा। इसके माध्यम से कारीगर अब केवल मेले के दौरान ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष अपना हस्तनिर्मित सामान विश्वभर में बेच सकेंगे। पर्यटन मंत्रालय के सचिव डॉ. श्रीवत्स कृष्ण शनिवार को सूरजकुंड मेला परिसर के कन्वेंशन हॉल में आयोजित एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर निदेशक पार्थ गुप्ता, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक वर्षा खांगवाल मौजूद रहें।

सूरजकुंड मेला पारंपरिक शिल्पकारों के लिए ग्लोबल लॉन्च पैड – उन्होंने कहा कि सूरजकुंड मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे पारंपरिक शिल्पकारों के लिए एक ग्लोबल लॉन्च पैड है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से हमारे ग्रामीण कारीगरों की पहुंच सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार तक होगी। उन्होंने पर्यटकों से आह्वान किया कि वे %वोकल फॉर लोकल% के संदेश को सार्थक करें और शिल्पकारों द्वारा बनाए गए उत्पादों की खरीदारी अवश्य करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार, मेला अथॉरिटी का लक्ष्य मेले को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना और केवल हस्तनिर्मित उत्पादों को ही बढ़ावा देना है।

मेले की अवधि को दो सप्ताह से बढ़ाकर चार सप्ताह करने का विचार – डॉ. श्रीवत्स कृष्ण ने कहा कि शिल्पकारों और पर्यटकों के उत्साह को देखते हुए मेले की अवधि को वर्तमान दो सप्ताह से बढ़ाकर चार सप्ताह करने पर विचार किया जा रहा है। इसके साथ ही केंद्रीय पर्यटन मंत्री के निर्देशानुसार, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पकारों को मेले में विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने किया 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले का उद्घाटन

● 'लोकल टू ग्लोबल' और 'आत्मनिर्भर भारत की पहचान' को साकार करने का सशक्त मंच है सूरजकुंड शिल्प मेला : मुख्यमंत्री ● सूरजकुंड शिल्प मेला भारत की आत्मा और कारीगरों के सम्मान का प्रतीक : नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ रहा है। यह मेला 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को सशक्त आधार प्रदान करते हुए स्थानीय शिल्प, कला और कारीगरों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस वर्ष 'लोकल टू ग्लोबल' और 'आत्मनिर्भर भारत की पहचान' थीम पर आधारित यह मेला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन को धरातल पर उतारने का प्रयास है, जिसमें हर कारीगर के हुनर को सम्मान और बाजार दोनों मिलें। मुख्यमंत्री शनिवार को उप राष्टपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा फरीदाबाद में 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्टीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले के उद्घाटन करने उपरांत उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नगर, खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक भी उपस्थित थे। श्री नायब सिंह सैनी ने उप-राष्टपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन का विशेष रूप से स्वागत करते हुए कहा कि इस मेले में आने से देश-विदेश के शिल्पकारों को नई प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि आज हम कला और शिल्प के उस महाकुंभ के साक्षी बनने जा रहे हैं, जिसकी न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में विशेष पहचान है। मुख्यमंत्री ने विदेशी मेहमानों का हरियाणा की धरा पर स्वागत करते हुए कहा कि सूरजकुंड शिल्प मेला हमारी प्राचीनता और आधुनिकता का संगम है। आज हम यहां उस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं, जो पिछले 38 वर्षों से भारतीय लोक कला और संस्कृति को जीवित रखे हुए है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर का अर्थ केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं है। इसमें अपनी संस्कृति पर गर्व करना, अपनी विरासत को सहेजना और उसे दुनिया के सामने शान से प्रस्तुत करना भी शामिल हैं। सूरजकुंड मेला इसी %आत्मनिर्भरता% का जीता-जागता उदाहरण है। यहां मिट्टी के बर्तनों से लेकर हाथ से बुने हुए कपड़े तक, हर एक वस्तु में भारत की आत्मा बसती है। इस मेले के असली नायक हमारे शिल्पकार हैं।

शिल्पकारों की कला से दिखी 'अतुल्य भारत' की झलक – मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भी देश के हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से शिल्पकार अपनी कला का प्रदर्शन करने आए हैं। चाहे वह पूर्वोत्तर भारत की बांस की कारीगरी हो, दक्षिण की सिल्क साड़ियां हों, पश्चिम की रंग-बिरंगी कढ़ाई हो या उत्तर भारत की लकड़ी की नक्काशी हो, पूरा %अतुल्य भारत% आज यहां सूरजकुंड में सिमट आया है। उन्होंने कहा कि इस बार सहयोगी और भागीदार राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश और मेघालय की विशेष उपस्थिति है।

राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी 6 से 8 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड मेला ग्राउंड में आयोजित होगी पशुधन प्रदर्शनी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड मेला ग्राउंड (कुरुक्षेत्र) में आगामी 6 फरवरी से 8 फरवरी तक तीन दिवसीय 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में प्रदेश भर से उत्तम गुणवत्ता वाली नस्ल के लगभग 1500 पशु विभिन्न श्रेणियों में भाग लेंगे। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उत्तम नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन कर नस्ल सुधार के लिए पशुपालकों को प्रेरित करना तथा दूध उत्पादन में वृद्धि कर किसानों की आय बढ़ाना है। प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में विभाग के सभी अधिकारी आवश्यक दिशा - निर्देशों का पालन करेंगे और प्रदेश के पशुपालकों से संपर्क कर आयोजन को सफ़ल बनाएंगे। पशुपालकों से आग्रह किया जा रहा है ताकि वे अपने उत्तम नस्ल के पशुओं का विवरण संबंधित पशु चिकित्सक को समय रहते उपलब्ध कराएं तथा पशु प्रवेश याचिका पूर्ण करना सुनिश्चित करें। प्रवक्ता ने बताया कि प्रदर्शनी में मुर्रा भैंस, देसी नस्ल की गाय जैसे हरियाणा, साहीवाल, गिर, थारपारकर, राठी व बेलाही, क्रॉस ब्रीड गाय, घोड़े व गधे, ऊंट, भेड़ (नाली नस्ल, हिसार डेल नस्ल), बकरी एवं गौशाला पशु भाग लेंगे। प्रदर्शनी के दौरान चयनित सर्वश्रेष्ठ पशुओं के नाम नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पशु मालिकों को प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए अपने साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, कैंसिल चेक तथा परिवार पहचान पत्र (पीपीपी आईडी) अनिवार्य रूप से लाने होंगे।

गुजरात के छात्रों ने पंजाब राज्य किसान और खेत मजदूर आयोग का किया दौरा

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वडोदरा की पारुल यूनिवर्सिटी से बी.एससी. एग्रीकल्चर (ऑनर्स), एम.एससी. एग्रीकल्चर और बी.एससी. (फूड टेक) के छात्रों की एक टीम ने पंजाब के कृषि क्षेत्र और विशेष रूप से पंजाब राज्य कृषि नीति, 2023 के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए पंजाब राज्य किसान और खेत मजदूर आयोग का दौरा किया। इस टीम का नेतृत्व कोऑर्डिनेटर श्री एलेक्स राज, श्री आरव जैन और श्रीमती नमहिक धबालिया कर रहे थे और उनके साथ पारुल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. विक्रम परमार भी थे। प्रशासनिक अधिकारी-सह-सचिव डॉ. रणजोध सिंह बैंस और सीआरआईडीडी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. सुखविंदर सिंह ने भी विचार-विमर्श में भाग लिया और छात्रों से बातचीत की।

इस विचार-विमर्श के दौरान छात्रों ने चेयरमैन और अधिकारियों के साथ पंजाब की कृषि को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), किसान ऋण, किसानों द्वारा आत्महत्याएं, किसानों के विरोध प्रदर्शन और राज्य में कृषि के भविष्य के बारे में प्रश्न-उत्तर किए गए। प्रो. डॉ. सुखपाल सिंह ने कृषि अर्थशास्त्र और नीति में अपने लंबे अनुभव के माध्यम से प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर दिए। प्रो. डॉ. सुखपाल सिंह ने सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने, फसली विविधता को प्रोत्साहित करने और कृषि को अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए किसानों की ऋण और बाजारों तक बेहतर पहुंच की महत्वता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे कुछ फसलों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण आर्थिक और पर्यावरण संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने संतुलित और सतत कृषि उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया।

हरियाणा में रविवार को मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, मंत्री, विधायक व सभी वरिष्ठ नेता लाइव देखेंगे केंद्रीय बजट

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट को भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश भर में बड़ी स्क्रीन पर देखेंगे। भाजपा ने सभी जिला मुख्यालयों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर केंद्रीय बजट को लाइव देखने की पूरी व्यवस्था कर ली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, मंत्री और मैं स्वयं कार्यकर्ताओं के साथ लाइव बजट को देखेंगे। श्री बड़ौली ने कहा कि मंडल स्तर पर भी कार्यकर्ता टीवी के माध्यम से लोगों के साथ लाइव केंदीय बजट को देखेंगे। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मोदी सरकार अपने बजट और आर्थिक नीतियों के माध्यम से 2047 तक देश को विकसित बनाने के लक्ष्य पर तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि रविवार को आने वाला बजट समावेशी, सर्वस्पर्शी और हर वर्ग को लाभान्वित करने वाला तथा जन-अपेक्षाओं पर केंद्रित होगा। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने बजट की विशेषताओं को जन-जन तक पहुंचाने की भी योजना बनाई ताकि हर वर्ग के लोगों को बजट की जानकारी हो सके।

निवेश के लिए सीएम मान का प्रयास रंग लाया, कृषि क्षेत्र में तकनीकी मदद को आगे आया दक्षिण कोरिया

पिछले दिनों पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान ने निवेश के लिए दक्षिण कोरिया का किया था दौरा

चंडीगढ़ में दक्षिण कोरिया के प्रतिनिधि मंडल के साथ स्मार्ट खेती, उन्नत कृषि मशीनरी, बॉयो टेक्नोलॉजी में सहयोग पर हुई चर्चा

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के छोटे और सीमांत किसानों के लिए खेती को फिर से व्यवहारिक और लाभदायक पेशा बनाने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज चंडीगढ़ में दक्षिण कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया। इस बैठक में स्मार्ट खेती, उन्नत कृषि मशीनरी और बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर में सहयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक के दौरान घटते कृषि रकबे और खेती की व्यवहारिकता से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए दक्षिण कोरिया की तकनीकी विशेषज्ञता अपनाने पर चर्चा की गई। साथ ही 13 से 15 मार्च तक मोहाली में होने वाले प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 से पहले गहन औद्योगिक और निवेश साझेदारी को मजबूत करने पर भी विचार हुआ।

अपने एक्स अकाउंट पर बैठक के मुख्य बिंदु साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चंडीगढ़ में कोरिया गणराज्य के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ स्मार्ट खेती, उन्नत कृषि मशीनरी और बायोटेक्नोलॉजी पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य कृषि को लाभदायक उद्यम बनाने के लिए पंजाब और दक्षिण कोरिया के बीच आपसी सहयोग बढ़ाना है। इस दौरान कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब की समृद्ध विरासत और कामकाज के अनुकूल वातावरण की सराहना भी की। प्रतिनिधिमंडल को 13 से 15 मार्च 2026 तक मोहाली में आयोजित होने वाले प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक , सम्मलेन 2026 में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया गया। दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब मुख्य रूप से कृषि प्रधान राज्य है और इसने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। हालांकि, घटते कृषि क्षेत्रफल के कारण छोटे और सीमांत किसानों के लिए खेती अब कम लाभकारी होती जा रही है। भूमि के लगातार बंटवारे के कारण बड़ी संख्या में किसानों के लिए खेती लाभदायक व्यवसाय नहीं रह गई है।

तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब स्मॉल एग्रीकल्चर मशीनरी सेक्टर में दक्षिण कोरिया से निवेश आकर्षित करने के लिए उत्सुक है, क्योंकि इस क्षेत्र में दक्षिण कोरिया के पास व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता है। उन्होंने बताया कि दक्षिण कोरिया में सीमित भूमि के कारण वहां वर्टिकल फार्मिंग और कुशल मशीनीकरण तेज़ी से विकसित हुआ है, जो पंजाब के लिए भी अत्यंत उपयोगी साबित हो सकता है। दोनों देशों के ऐतिहासिक समानताओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया ने लगभग एक ही समय स्वतंत्रता प्राप्त की और दोनों देशों के सामने गरीबी एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने कहा कि पंजाब ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से खाद्यान्न अधिशेष राज्य बनकर इस चुनौती को पार किया और आज केंद्र के अनाज भंडार में सबसे बड़ा योगदान देने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल है।

वैश्विक स्तर के श्रेष्ठ अनुभवों को अपनाने की पंजाब की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि दक्षिण कोरिया पहले ही कृषि व्यवसाय में अपनी नवाचार क्षमता और तकनीकी शक्ति का प्रदर्शन कर चुका है। अब पंजाब भी इन उन्नत तकनीकी प्रगतियों से लाभ उठाने का इच्छुक है।

'गैंगस्टरां ते वार' का 12वां दिन : पंजाब पुलिस ने 727 स्थानों पर छापेमारी की; 5 हथियारों सहित 192 गिरफ्तार

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के 12वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों से जुड़े पहचाने गए और मैप किए गए ठिकानों पर 727 छापेमारी कीं। जानकारी के अनुसार, 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई एक निर्णायक जंग - 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। इसके तहत सभी जिलों की पुलिस टीमों द्वारा एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से पूरे राज्य में विशेष कार्रवाइयां की जा रही हैं।

इस मुहिम के 12वें दिन, पुलिस टीमों ने 192 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 5 हथियार, 15 जिंदा कारतूस और 6 मैगजीन बरामद कीं। इसके साथ ही, मुहिम की शुरुआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या 3913 हो गई है। इसके अलावा, 178 व्यक्तियों के खिलाफ रोकथाम कार्रवाई की गई, जबकि 324 व्यक्तियों की जांच की गई और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों द्वारा कार्रवाई के दौरान 12 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया गया है। वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में जानकारी और अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना देने के लिए लोग गुप्त रूप से एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के द्वारा संपर्क कर सकते हैं।

स्पीकर ने भारत के प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, पंजाब के प्रमुख मुद्दों को तुरंत हल करने पर दिया जोर

संधवां ने केंद्र सरकार से पंजाब के बकाया फंड जल्द से जल्द जारी करने की अपील की

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधान सभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पंजाब के प्रमुख मुद्दों को तुरंत हल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'पंजाब' कभी भारत का सबसे समृद्ध राज्य और देश का अन्नदाता था, लेकिन आज केंद्रीय फंड न मिलने के कारण व्यापक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब को केंद्रीय निवेश और नीतिगत सहायता के मामले में उपेक्षित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय अधिकारों में कमी और केंद्रीय करों में घटती हिस्सेदारी के कारण पंजाब की वित्तीय स्वायत्तता बुरी तरह प्रभावित हुई है, जो हमारे संविधान में दर्शाए गए सच्चे संघवाद की भावना को ठेस पहुंचाती है। पंजाब के मुद्दों में गंभीर जल संकट भी शामिल है। राज्य सतही पानी और भूजल की गंभीर कमी का सामना कर रहा है, जिसका कारण राज्य के दरियाई पानी की अन्य राज्यों में अनुचित वितरण और पंजाब के अधिकार क्षेत्र में स्थित हेडवर्क्स पर नियंत्रण की कमी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब के दरियाई पानी के वितरण में इस भेदभाव ने हमारे जल स्तर को चिंताजनक स्तर तक पहुंचा दिया है और जिसके कारण कृषि स्थिरता के लिए खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री का दौरा एक नया मोड़ लाएगा और उनकी अगुवाई में इन मुद्दों को तुरंत और सहानुभूतिपूर्वक हल किया जाएगा, जिसका पंजाब हकदार है। शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एस.ए.एस. नगर (मोहाली) पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के लिए एक महत्वपूर्ण गेटवे के रूप में कार्य करता है, जबकि श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अमृतसर, राज्य को दुनिया भर के पंजाबी प्रवासियों से जोड़ता है। उन्होंने चंडीगढ़ और अमृतसर हवाई अड्डों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में तुरंत वृद्धि करने की प्रार्थना की। उड़ानों की संख्या में तुरंत वृद्धि से पर्यटन और व्यापार में वृद्धि होगी। पंजाब के किसानों और व्यापारियों को अपनी आय में वृद्धि करने और दलालों पर निर्भरता कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सीधी पहुंच की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से मध्य पूर्वी देशों के साथ एक सड़क व्यापारिक संपर्क को कार्यान्वित करने की मांग की।

संपादकीय

मणिपुर में फिर अराजकता ?

मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विरोध के बाद जारी हिंसा और अराजकता का हल आज तक नहीं निकल सका है।काफी मुश्किल से मणिपुर में हालात थोड़े काबू में आते दिखने लगे थे और इसी वजह से उम्मीद की जाने लगी थी कि वहां जटिल हो चुकी समस्या का अब शायद कोई समाधान निकल सके। मगर राज्य में बीते कुछ दिनों के भीतर जिस तरह हिंसा की एक नई लहर देखी जा रही है, उससे एक बार फिर स्थिति बिगड़ने की आशंका खड़ी हो गई है।गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले के सोंगलुंग गांव में सोमवार को उग्रवादियों ने कई घरों और फार्म हाउसों में आग लगी दी। यह इलाका कुकी-जो बहुल है और पहले भी कुछ उग्रवादी संगठनों के निशाने पर रहा है। हालांकि आगजनी और हमले में किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह साफ है कि इस वारदात का मकसद जातीय तनाव की आग को भड़काना और राज्य को फिर से अराजकता की आग में झोंकना था।इसके संकेत भी सामने आए जब कांगपोकपी जिले के एक कुकी संगठन ने सरकार से चौबीस घंटे के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की और ऐसा न होने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। संगठन ने यह भी कहा कि जिले के कुकी बहुल इलाकों के गांवों को जानबूझ कर निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में अगर हालात बिगड़ते हैं तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।अफसोस की बात यह है कि हिंसा की आग से उपजी व्यापक त्रासदी के बावजूद अब भी कोई ऐसा हल सामने नहीं आ सका है, जिससे विवाद और टकराव में शामिल सभी समुदाय सहमत हों और शांति की राह निकल सके। इसके उलट अब ऐसे मुद्दों पर भी हिंसक गतिविधियां सामने आती दिखने लगी हैं, जो दो समुदायों के बीच दूरी को पाटने की एक कड़ी बन सकती थी। हाल ही में एक कुकी युवती से विवाह करने वाले मैतेई युवक की संदिग्ध उग्रवादियों ने हत्या कर दी।दूसरी ओर, खबरों के मुताबिक, सोंगलुंग गांव में ताजा हमला करने वाले उग्रवादी संगठन का कहना है कि जिस इलाके में घरों और फार्महाउसों को जलाया गया, वहां अफीम की अवैध खेती होती थी।

उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक को पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने डॉक्टर अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित किया। वैश्विक स्तर पर इस प्रकार का सूचकांक पहली बार बनाया गया है और इसे बनाने में भारत के ही विभिन्न संस्थानों ने अपना योगदान दिया है हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व के निर्वहन के लिए नागरिकों को जागरूक किए जाने का प्रयास लगातार किया जाता रहा है और पश्चिमी सभ्यता के आधार पर केवल अधिकार के भाव को बढ़ावा नहीं दिया जाता है। हिंदू वेदों एवं पुराणों के अनुसार प्रत्येक राजा का यह प्रथम कर्तव्य है कि वह अपने राज्य में निवास कर रहे नागरिकों की समस्याओं को दूर करने का भरसक प्रयास करे।

भारत में एक नए उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण हुआ है

(प्रह्लाद सबनानी)

उसके राज्य में नागरिक सुख शांति से प्रसन्नता पूर्वक निवास कर सकें। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को विकसित किया था। यह एक ऐसा सिद्धांत है जो व्यक्ति एवं समाज के बीच एक संतुलित सम्बंध स्थापित करने पर जोर देता है। एकात्म मानववाद का उद्देश्य प्रत्येक मानव को गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना है एवं अंत्योदय अर्थात समाज के निचले स्तर पर स्थित व्यक्ति के जीवन में सुधार करना है। विशेष रूप से भारत में आज के परिप्रेक्ष्य में इस सिद्धांत का आश्य यह भी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का लक्ष्य प्रत्येक राजनीतिक दल का होना चाहिए। परंतु, आज की पश्चिमी सभ्यता, जो पूंजीवाद पर आधारित नीतियों पर चलती हुई दिखाई देती है, के अनुसरण में मानव केवल अपने हितों का ध्यान रखता हुआ दिखाई देता हैं एवं अपना केवल भौतिक (आर्थिक) विकास करने हेतु प्रयासरत रहता है और उसमें अपने परिवार एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी के भाव का पूर्णतः अभाव दिखाई देता है। अतः विश्व के समस्त देशों द्वारा अपने नागरिकों एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व के निर्वहन को आंकने के उद्देश्य से भारत में उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण किया गया है। नई दिल्ली में दिनांक 20 जनवरी 2026 को उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का लोकार्पण किया गया। यह पहल देशों का मूल्यांकन केवल शक्ति अथवा समृद्धि से नहीं, बल्कि नागरिकों, पर्यावरण एवं वैश्विक समुदाय के प्रति उनके उत्तरदायित्व के निर्वहन के आधार पर करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। 21वीं सदी के लिए यह विमर्श समयोचित और आवश्यक है। उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक को पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने डॉक्टर अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित किया। वैश्विक स्तर पर इस प्रकार का सूचकांक पहली बार बनाया गया है और इसे बनाने में भारत के ही विभिन्न संस्थानों ने अपना योगदान दिया है। इस सूचकांक के माध्यम से यह आंकने का प्रयास किया गया है कि विभिन्न देशों द्वारा अपने नागरिकों के हित में अपने अधिकारों का उत्तरदायित्वपूर्ण प्रयोग किस प्रकार किया जा रहा है (आंतरिक उत्तरदायित्व का निर्वहन), वैश्विक समुदाय के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किस प्रकार किया जा रहा है (बाह्य उत्तरदायित्व का निर्वहन) एवं पर्यावरण को बचाने के लिए अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किस प्रकार किया जा रहा है

(पर्यावरण उत्तरदायित्व का निर्वहन)। उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक 7 आयाम, 15 दृष्टिकोण एवं 58 संकेतकों को शामिल करते हुए निर्मित किया गया है। विश्व के 154 देशों का इस सूचकांक के आधार पर मूल्यांकन किया गया है। सिंगापुर को इस सूचकांक की रैकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, इसके बाद स्विजरलैंड द्वितीय स्थान पर, डेनमार्क तृतीय स्थान पर, साइप्रस चौथे स्थान पर रहे हैं। भारत को 16वां स्थान प्राप्त हुआ है। विश्व के शक्तिशाली देशों का स्थान उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक की सूची में बहुत निचले स्तर पर पाया गया है। अमेरिका 66वें स्थान पर रहा है, जो लिबिया से भी एक पायदान नीचे है। जापान 38वें स्थान पर रहा है। पाकिस्तान 90वें स्थान पर, चीन 68वें स्थान पर एवं अफगानिस्तान 145वें स्थान पर रहा है। उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण मुख्य रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), मुंबई एवं जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली ने मिलकर किया है। इस सूचकांक के निर्माण में 3 वर्षों तक लगातार कार्य किया गया है एवं उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक के निर्माण में विश्व बुद्धिजीवी प्रतिष्ठान का भी सहयोग लिया गया है। उक्त सूचकांक के निर्माण के लिए कुल 154 देशों से विभिन्न मापदंडों पर आधारित वर्ष 2023 तक के सम्बंधित आंकडें इक्ट्ठे किये गए है एवं इन आंकड़ों एवं जानकारी का विश्लेषण करने के उपरांत इस सूचकांक का निर्माण किया गया है। यह आंकड़े एवं जानकारी विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र संघ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं खाद्य एवं कृषि संस्थान जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से लिए गए है। आज पूरे विश्व में विभिन्न देशों की आर्थिक प्रगति को सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर से आंका जाता है, यह मॉडल पूंजीवाद पर आधारित है एवं इस मॉडल के अनुसार देश में कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों में हुए उत्पादन को जोड़कर सकल घरेलू उत्पाद का आंकलन किया जाता है। इस मॉडल में कई प्रकार की कमियां पाई जा रही है। किसी भी देश में पनप रही आर्थिक असमानता, गरीबी रेखा से नीचे जीवन जी रहे नागरिकों की आर्थिक प्रगति, मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी एवं वित्तीय समावेशन जैसे विषयों पर उक्त मॉडल के अंतर्गत विचार ही नहीं किया जाता है। अमेरिका सहित विश्व के कई देशों में अब यह मांग की जा रही है कि आर्थिक प्रगति को आंकने के लिए सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि सम्बंधी मॉडल के स्थान पर एक नए मॉडल का निर्माण किया जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार, किसी भी राष्ट्र में आर्थिक प्रगति तभी सफल मानी जाएगी जब पंक्ति में अंतिम पायदान पर खड़े नागरिक को भी समाज हित में बनाई जा रही आर्थिक नीतियों का लाभ पहुंचे। वर्तमान में, सकल घरेलू उत्पाद के अनुसार आर्थिक प्रगति आंकने के मॉडल में इस प्रकार की व्यवस्था नहीं है इसीलिए कई देशों में गरीब और अधिक गरीब हो रहे है तथा अमीर और अधिक अमीर हो रहे है। नए विकसित किए गए उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक में यह आंकने का प्रयास किया गया है कि शासन प्रणाली किस प्रकार से नैतिक धारणाओं को ध्यान में रखकर अपनी आर्थिक नीतियों का निर्माण कर रही है, राष्ट्र में समावेशी विकास हो रहा है अथवा नहीं एवं राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने दायित्वों के निर्वहन के संदर्भ में सरकार द्वारा किस प्रकार की नीतियां बनाई जा रही हैं। साथ ही, धर्म आधारित सदाचार सम्बंधी भारतीय सभ्यता एवं वैश्विक सुख शांति स्थापित करने के सम्बंध में किस प्रकार देश की नीतियां निर्धारित की जा रही हैं, इस विषय को भी उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक के निर्माण में स्थान दिया गया है। पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक प्रगति तो तेज गति से करती दिखाई देती हैं और कई पश्चिमी देश आज विकसित देशों की श्रेणी में शामिल भी हो गए हैं। परंतु, इन देशों में मानवतावादी दृष्टिकोण का पूर्णतः अभाव है। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में केवल 'मैं' के भाव को स्थान प्राप्त है। 'मैं' किस प्रकार आर्थिक प्रगति करुं, इस 'मैं' के भाव में परिवार एवं समाज कहीं पीछे छूट जाता है। इससे पश्चिमी देशों में सामाजिक तानाबाना पूर्णतः छिन्न भिन्न हो रहा है। युवा वर्ग अपने माना पिता की देखभाल करने के लिए तैयार ही नहीं हैं। न्याय और नागरिक कल्याण का आंकलन करता है। पर्यावरणीय उत्तरदायित्व अर्थात प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जलवायु कार्यवाही का मूल्यांकन करता है। बाह्य अत्तरदायित्व अर्थात शांति, बहुपक्षीय सहयोग और वैश्विक स्थिरता में किसी देश के योगदान को मापता है। यदि वैश्विक स्तर पर कई देश इस सूचकांक के आधार पर अपने देश के नागरिकों के प्रति अपने उत्तरदायित्व के निर्वहन के आंकलन पर ध्यान देने का प्रयास करेंगे तो निश्चित ही उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक पूरे विश्व में एक क्रांतिकारी सूचकांक के रूप में स्थापित होगा। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)

हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठ और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे।2 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है।

(योगेश कुमार गोयल)

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी का आज 78वां बलिदान दिवस है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया।

गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है, जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों

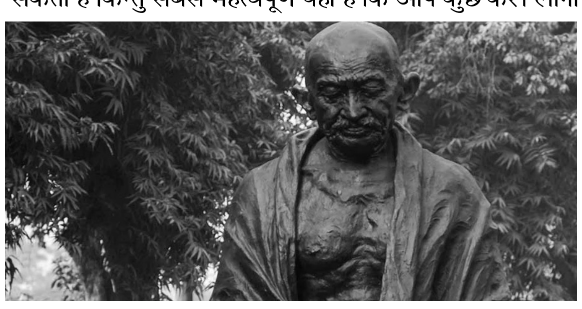

को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था।

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, 'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?' जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आन्दोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5990

1		2	3	■	4		5
	■	6		7		■	
■	8		■	9		10	
11		■	12		■		■
■	13			■	14		15
16		■	17		■	18	
19		■		■	20		
21		■		22			■

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत के इस पडौसी देश में 6 जून 1995 को बाल अपराध अथवा उनकी फांसी की सजा प्रतिबंधित की गई (4)
4. माता सरस्वती का एक नाम (3)
6. जमीन से उगने वाला पेड़, पौधे आदि (4)
8. सुखभोग, चसका (2)
9. पार लगना, उद्धार होना (4)
11. अनुराग, प्रेम, लालसा (2)
12. केकड़ा, फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक (2)
13. काव्यमर्मज्ञ, रस लेने वाला (3)
14. पश्चिम अफ्रीका के दश सेनेगल की यह राजधानी है, उर्ध्ववायु को मुंह से निकलती है (3)
16. मिथ्या संवाद, झूठी खबर (2)
17. जबड़े की हड्डी (2)
18. जामन डालकर जमाया हुआ दूध (2)
19. सप्ताह का दिन प्रहार करने की क्रिया (2)
20. शक, संदेह, भ्रम (2)
21. एक नक्षत्र जिसमें पांच तारे है (2)
22. विस्तार पूर्वक कथन (3)

ऊपर से नीचे

1. कुंती का एक नाम पृथा भी था इसलिए अर्जुन का एक नाम यह भी है (2)
2. स्तुति करने वाला (3)
3. महिला ईसाई पादरी यह कहलाती है (2)
4. काइंया, चालाक (3)
5. गर्म धातु से शरीर पर निशान लगाना (3)
7. अग्नि की चिंगारी को यह अंग्रेजी में कहते है (3)
8. पतिव्रता (उर्दू) (6)
10. फागुन की पूर्णिमा को होने वाला हिंदुओं का एक त्यौहार, होली (6)
12. क से ह तक की वर्णमाला (4)
15. महादयाल, कृपा, दया करने वाला (3)
16. जिसने कोई घटना अपनी आंखों से देखी हो , साक्षी (3)
20. अक्षर, जाति, रंग (2)

वर्ग पहेली 5989 का हल

सा	नि	या	मि	र्जा	■	बु	ध
ब	दा	■	ल	■	सा	ज	न
र	न	क	ना	■	■	दि	वा
म	■	र्म	■	फि	स	ल	न
ती	ज	■	आ	रो	ही	■	■
■	या	■	ग	जा	■	स	जा
■	प्र	जा	■	बा	हु	ब	ली
कु	दा	ल	■	द	■	ब	■

बड़ों ही नहीं बच्चों और युवाओं में भी रक्तचाप की

(दिनेश दसौंधी)

बिगड़ी जीवनशैली की वजह से आज के समय में एक चिंताजनक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसमें अब केवल बड़ों को ही नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी रक्तचाप की समस्या देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे बच्चों की बिगड़ती जीवनशैली, खान-पान की आदतें और बढ़ता मानसिक तनाव प्रमुख कारण हैं।

सबसे बड़ा कारण खान-पान में असंतुलन है। आज के बच्चे घर के ताजे और पौष्टिक भोजन की बजाय फास्ट फूड, पैकेट वाले स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक और जंक फूड ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इनमें नमक, चीनी और फैट की मात्रा अधिक होती है, जो धीरे-धीरे बच्चों के शरीर में ब्लड प्रेशर को बढ़ाने लगती है। संतुलित आहार जैसे फल, हरी सब्जियां, दालें और दूध की कमी बच्चों के शारीरिक विकास पर नकारात्मक असर डाल रही है।

दूसरा बड़ा कारण है शारीरिक गतिविधियों की कमी। पहले बच्चे खेलकूद में समय बिताते थे, लेकिन अब मोबाइल फोन, टीवी और वीडियो गेम्स ने उनकी दिनचर्या बदल दी है। शारीरिक मेहनत न होने से मोटापा बढ़ता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर का कारण बनता है। इसके साथ ही सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया भी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। कम उम्र में ही बच्चों पर पढ़ाई का दबाव, ऑनलाइन तुलना, लाइक्स और कमेंट्स की चिंता उन्हें तनाव की ओर धकेल रही है। मानसिक तनाव का सीधा असर हार्मोनल संतुलन और ब्लड प्रेशर पर पड़ता है, जिससे हाइपरटेंशन का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि परिवार का वातावरण बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से गहराई से जुड़ा होता है। घर में तनाव, झगड़े या माता-पिता का अत्यधिक दबाव बच्चों के मन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। बच्चों की मानसिक स्थिति का असर पूरे परिवार के माहौल पर पड़ता है, इसलिए जरूरी है कि परिवार में सकारात्मक और सहयोगी वातावरण बनाया जाए।

नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार और खुलकर बातचीत से इस समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता है। सुबह जल्दी उठकर व्यायाम और ध्यान करना चाहिए। सबसे बड़ा बीमारियों का कारण तनाव और खराब जीवनशैली है। इसके कारण हृदय रोग, मोटापा और आत्महत्या जैसी गंभीर समस्याएं जन्म ले रही हैं। समय रहते जागरूकता ही बच्चों को इस गंभीर बीमारी से बचाने का सबसे बड़ा उपाय है। बच्चों के लिए रोजाना कम से कम एक घंटा खेलना या शारीरिक व्यायाम बेहद जरूरी है।

आज का राशिफल

मेष

आज आप एक महत्वपूर्ण परियोजना आरम्भ करने वाले हैं, जिसके सफलतापूर्वक पूरा होने में एक साल लग सकता है। आर्थिक लाभ की उम्मीद कर सकते हैं। सेहत और वित्तीय मामलों की अनदेखी न करें। फिलहाल जमीन जायदाद के लिए निवेश करना आपके लिए शुभ रहेगा।

वृष

आज कोई व्यक्ति आपके समक्ष प्रस्ताव पेश करेगा, किन्तु उसके बहकावे में न आए। सायंकाल से रात्रि तक किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज का दिन स्वास्थ्य के लिए खराब है। खान-पान से बचें। आलस्य का भी त्याग करें। ध्यान रहे किसी भी वस्तु की अधिकता हानिकारक होती है।

तुला

आज आपको त्रिकोणीय व्यापारिक साझेदारी व संबंधों से लाभ होगा, लेकिन निजी संबंधों के मामले में त्रिकोणीय रिश्ते आपके जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। आप जीवन में तीन भूमिकाएं निभाएंगे। बेहतर यही होगी कि हर भूमिका को अलग-अलग रखें, उन्हें आपस में मिलाएं नहीं, अन्यथा आप संशयग्रस्त हो जाएंगे।

वृश्चिक

आज का दिन मिश्रित फल कारक है। शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान होने के बावजूद आप जो भी कार्य साहस के साथ करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र और परिवार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

इनका सामना आप साहस के साथ करेंगे और

मिथुन

जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेंगे। भाग्य आज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। योजनाओं से संबंधित प्रस्ताव की मंजूरी मिलने और भुगतान मिलने के बाद आप व्यावसायिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। उपयुक्त व्यक्ति और उम्दा अवसर आपको मिलते रहेंगे, जिनकी अतीत में आपको तलाश थी।

कर्क

आज सायंकाल के समय आप परिवार के सदस्यों और दोस्तों के प्रति उदार रवैया अख्तियार करेंगे। आज आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे। विलासिता पूर्ण माहौल का लुप्त उठाएंगे। बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से आप संतुष्टि महसूस करेंगे। रात्रि में इन लोगों पर धन का खर्चा भी हो सकता है।

धनु

आज सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे लोगों के कार्यों के लिए ज्यादा वक्त और ऊर्जा बर्बाद न करें, क्योंकि ऐसे लोग एक के बाद एक दूसरी फरमाइश पेश करेंगे। आज समाज में भी आपका महत्व बढ़ेगा। मूड में उतार-चढ़ाव पर नज़र रखें। पुराने निवेश का भी आपको फायदा मिलेगा।

मकर

आज आप परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर खड़े हैं। किसी कठिन दौर से गुज़र सकते है। लेकिन याद रखें, जब अंधेरा गहराता है तब सवेरा करीब होता है। सच्चाई का सामना करेंगे और आपके समक्ष भावनात्मक समस्याएं भी आएंगी। कोई मित्र और परिचित भी आपकी मदद कर सकता है जिससे आपकी किसी समस्या का निदान होगा।

सिंह

आज पारिवारिक संबंध प्रेम पूर्ण और सहयोग पूर्ण रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने से आप विभिन्न कार्यों में सक्रियता पूर्वक भाग लेंगे। अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे। सायंकाल का समय अध्यात्म समागम में व्यतीत होगा। रात्रि में आपको कोई तोहफा या मिल सकता है।

कन्या

सहकर्मियों के सहयोग से आज आप एक परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे। किसी महान व्यक्ति के हस्तक्षेप से पारिवारिक विवाद का समाधान हो जाएगा। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। परिस्थितियों का आकलन करें और फिर दिल और दिमाग की बात सुनकर फैसला लें।

कुंभ

आज निजी संबंधों पर भावनाएं हावी रहेंगी। अन्तर मन की पुकार को सुनें। हर मामले में अतिवादी से बचें। जीवन के कड़वे अनुभवों से सबक सीखें। अतीत को भूलकर वर्तमान में कदम आगे बढ़ाएं। आज आपके कार्य क्षेत्र में अप्रत्याशित बदलाव की संभावना है।नौकरी में स्थिति अनुकूल रहेगी और कमाई में भी वृद्धि होगी।

मीन

आज जो उम्मीदें संजो रखी हैं, उनके पूरा न होने पर आप खिन्न रहेंगे। निजी संबंधों के कुछ मामलों में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। एक बात आज विशेष रूप से नोट कर लें कि जीवन में जब भी आपको आवश्यकता पड़ेगी तब आपके पारिवारिक सदस्यों से वांछित सहयोग कभी प्राप्त नहीं होगा।

अंबुजा सीमेंट की कमाई बढ़ी तब भी घट गया मुनाफा

एसआईएस को तो नुकसान हो गया

मुंबई, एजेंसी। अडानी ग्रुप की सीमेंट बनाने वाली कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने दिसंबर तिमाही में अपने मुनाफे में भारी गिरावट दर्ज की है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 2,158 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इस साल यह घटकर सिर्फ 204 करोड़ रुपये रह गया। यह 91 प्रतिशत की बड़ी गिरावट है। सेक्युरिटी सर्विसेज उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसआईएस लिमिटेड को तो इस तिमाही नुकसान हो गया है। शेयर बाजार में जहां अंबुजा सीमेंट्स के शेयर लुढ़के हैं वहीं एसआईएस के शेयर चढ़ गए। अंबुजा सीमेंट की बढ़ी कमाई चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही यानी अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही के दौरान अंबुजा सीमेंट्स की कमाई बढ़ी है। दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू (कमाई) 20 प्रतिशत बढ़कर 10,181 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 8,498 करोड़ रुपये था। लेकिन, मुनाफे में 91 फीसदी की भारी कमी हुई है। अगर पिछली तिमाही से तुलना करें, तो भी मुनाफे में 88 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस साल सितंबर की तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,766 करोड़ रुपये रहा था। यह दिसंबर की तिमाही में घटकर 204 करोड़ रुपये रह गया है। लेकिन, कमाई के मामले में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सितंबर तिमाही में कंपनी की कमाई 9,130 करोड़ रुपये थी, जो दिसंबर तिमाही में 10,181 करोड़ रुपये हो गई। अंबुजा सीमेंट्स ने एक और आंकड़ा शेयर किया है। अगर उनके बताए गए तरीके से मुनाफे को देखें, तो दिसंबर तिमाही में यह 378 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में 258 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी के प्रति टन सीमेंट पर ईबीआईटीडीए (ब्याज, टैक्स, डेप्रिसिएशन और एमोर्टाइजेशन से पहले की कमाई) में भी 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह 718 रुपये प्रति टन रहा। मार्जिन भी 13.2 प्रतिशत तक पहुंच गया,

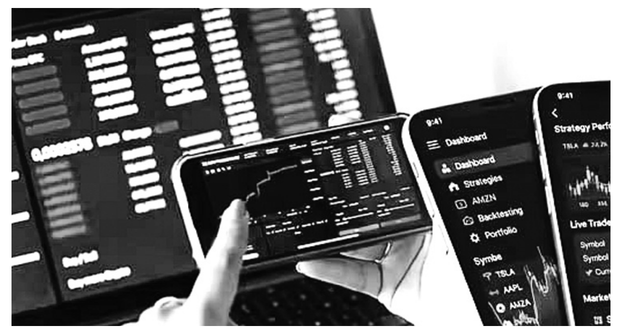

जो पिछले साल से 2.9 प्रतिशत ज्यादा है। अंबुजा सीमेंट्स ने कहा है कि उनकी सीमेंट की बिक्री (वॉल्यूम ग्रोथ) इंडस्ट्री के औसत से दोगुनी रही। उन्होंने ट्रेड सेल्स और प्रीमियम सीमेंट पर ज्यादा ध्यान दिया, जिससे उन्हें अच्छी कीमत मिली और बिक्री भी बढ़ी। कंपनी की कुल सीमेंट उत्पादन क्षमता 109 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) है। कंपनी की बैलेंस शीट भी मजबूत दिख रही है। आप जानते ही हैं कि यह अडानी रूप की कंपनी है और इसका नेट वर्थ 69,854 करोड़ रुपये है। कंपनी पर कोई कर्ज नहीं है। कंपनी का कहना है कि उनके पास अच्छा कैश फ्लो है, जिससे वे अपनी विस्तार योजनाओं को जारी रख पाएंगे। इस तिमाही एसआईएस की नेट सेल्स 1,396 करोड़ रुपये रही, जो दिसंबर 2024 के 1,254 करोड़ रुपये से 11.28 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि, एसआईएस को दिसंबर 2025 की तिमाही के दौरान 174.83 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ है। इससे एक साल पहले यानी दिसंबर 2024 में इसे 48.14 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। यह 463.21 प्रतिशत की गिरावट है।

आईटी मंत्री वैष्णव ने किया एलान

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में लॉन्च होंगे स्वदेशी एआई मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि सरकार आगामी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान स्वदेशी एआई मॉडल लॉन्च करने की उम्मीद कर रही है। इन मॉडल को देश में ही विकसित किया गया है। समिट को लेकर दुनियाभर में जबरदस्त उत्साह है। मंत्री वैष्णव ने इस बड़े कार्यक्रम के आयोजन को लेकर एक प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा, इंडिया एआई इम्पैक्ट को लेकर दुनियाभर में जबरदस्त उत्साह है और उन्हें उम्मीद है कि एआई ढांचे (संरचना) के लिए 70 अरब डॉलर का निवेश समिट के खत्म होने तक दोगुना हो सकता है। लॉन्च करेंगे स्वदेशी रूप से विकसित एआई मॉडल वैष्णव ने कहा, कुछ हफ्ते पहले माननीय प्रधानमंत्री ने उन टीमों से बातचीत की, जो संप्रभु एआई मॉडल विकसित कर रही हैं। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ये मॉडल बहुत अच्छी स्थिति में हैं और हम उन्हें एआई समिट में लॉन्च करेंगे। मंत्री ने कहा कि यह दुनिया का चौथा और अब तक का सबसे बड़ा एआई समिट होने जा रहा है। उन्होंने कहा, फिलहाल लगभग 70 अरब डॉलर का निवेश क्रियान्वयन के चरण में है। जिस तरह का उत्साह दिख रहा है, उससे हैरानी नहीं होगी अगर एआई इम्पैक्ट समिट खत्म होने तक यह आंकड़ा दोगुना हो जाए। पंद्रह देशों की सरकारों ने समिट में भागीदारी की पुष्टि की उन्होंने बताया कि 100 से अधिक देशों से प्रतिक्रियाएं मिली हैं, जिनमें 15 सरकारों

ने राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी की पुष्टि की है और एआई क्षेत्र से 100 से ज्यादा दिग्गज इस समिट में शामिल होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने कहा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का मुख्य उद्देश्य तकनीक खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का लोकतंत्रीकरण करना है, ताकि इसके लाभ समाज के बड़े वर्ग तक पहुंच सकें। वैश्विक दक्षिण में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई समिट उन्होंने कहा कि वैश्विक दक्षिण में आयोजित होने वाला यह पहला वैश्विक एआई समिट है, जिसमें एआई शासन और मानकों को लेकर साझा समझ विकसित करने पर जोर दिया जाएगा, ताकि वास्तविक उपयोग में एआई को सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से लागू किया जा सके। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट ग्लोबल साउथ में होने वाला पहला वैश्विक एआई समिट होगा। यह 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा।

एफडी नहीं अब शेयर बाजार में ज्यादा निवेश कर रहे भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2020 में घोटाला1992 वेब सीरीज

आई थी। इसमें हर्षद मेहता का किरदार प्रतीक गांधी ने निभाया है। हर्षद मेहता को कभी शेयर मार्केट की दुनिया का किंग कहा जाता था। इस वेब सीरीज में प्रतीक गांधी का एक डायलॉग है- इश्क है तो रिस्क है। यह डायलॉग वह शेयर मार्केट में उतरते समय अपने भाई से कहते है। ऐसा ही कुछ अब भारतीयों के साथ भी हो रहा है। वह इसलिए क्योंकि अब भारतीयों के निवेश का तरीका बदल रहा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक वे अब शेयर मार्केट में ज्यादा निवेश करते हैं।

शेयर मार्केट में रिटर्न ज्यादा मिलने की उम्मीद होती है। लेकिन पैसा डूब भी सकता है। इसलिए इसमें रिस्क भी ज्यादा है। अगर आपको ज्यादा रिटर्न से प्यार है तो रिस्क ले सकते हैं। भारतीय भी अब ज्यादा रिटर्न के लिए रिस्क ले रहे हैं। वित्त वर्ष 2012 में लोग अपनी कुल बचत का 57.9 प्रतिशतहिस्सा बैंक जमा (एफडी या बचत खाता) में रखते थे। यह वित्त वर्ष 2025 में घटकर 35.2 प्रतिशत रह गया है। इससे पता चलता है कि अब लोग शेयर बाजार जैसे निवेश के उन विकल्पों में पैसा लगाने से नहीं हिचकिचा रहे हैं जिनमें थोड़ा जोखिम होता है।

रिजर्व बैंक के हालिया आंकड़ों के मुताबिक कुल घरेलू वित्तीय संपत्तियों में शेयर और इन्वेस्टमेंट फंड की हिस्सेदारी मार्च 2025 तक बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है। छह साल पहले यह 15.7 प्रतिशत थी। शेयर बाजार में आम लोगों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2014 में 8 प्रतिशत से कम थी जो सितंबर 2025 के अंत तक करीब 9.6 प्रतिशत हो गई। इनडायरेक्ट हिस्सेदारी (म्यूचुअल फंड के जरिए) इसी दौरान लगभग तीन गुना बढ़कर 9.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सालाना घरेलू वित्तीय बचत में शेयर और म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2012 के लगभग 2 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 15.2 प्रतिशत से ज्यादा हो गई है।

वित्त वर्ष 2014 में आम लोगों की कुल इक्विटी होल्डिंग सिर्फ 8 लाख करोड़ रुपये थी, जो सितंबर 2025 तक बढ़कर करीब 84 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

यूट्यूब से करोड़ों रुपये कमा रहा शख्स

पिता काम की तलाश में शहर-शहर भटकते थे

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूब... ऑनलाइन दुनिया का ऐसा मंच, जिसने न जाने कितने लोगों को फेमस कर दिया। सिर्फ फेमस ही नहीं, बल्कि करोड़पति भी बना दिया। यूट्यूब ने इतनी दौलत बरसा दी कि वे शायद कोई नौकरी करके भी इकट्ठा नहीं कर पाते। किसी को गरीबी से निकाल दिया तो किसी को बुलंदियों तक पहुंचा दिया। ऐसे ही लोगों में एक नाम सौरव जोशी का भी है। करीब 26 साल के सौरव को यूट्यूब से वो दौलत और शोहरत मिली, जो किसी आम इंसान के लिए मात्र एक सपना रहती है। उत्तराखंड के रहने वाले सौरव जोशी आज यूट्यूब से हर साल एक करोड़ रुपये से ज्यादा कमाते हैं।

देश के नंबर 1 डेली लाइफ व्लॉगर कहे जाने वाले सौरव जोशी ने हाल ही में अर्वतिका से शादी रचाई है। सौरव पढ़ाई-लिखाई एक आम मिडिल क्लास फैमिली में हुई है। उनके पिता बढ़ई का काम करते थे और मां घर संभालती थीं। उनके पिता हरिंदर जोशी को स्थाई रोजगार की तलाश में कई शहरों में जाना पड़ा। इस कारण सौरव को 12वीं कक्षा तक कई स्कूल बदलने पड़े। उनकी शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा हरियाणा के हिसार में बीता। 12वीं के बाद कुछ मुश्किलों का सामना करने के बाद सौरव घर लौट आए जहां उन्होंने ड्राइंग बनाना शुरू किया। अपने भाई के कहने पर जोशी ने साल 2017 में एक यूट्यूब चैनल खोला।

देसी दर्शकों को उनके अंदाज, वीडियो की सादगी और मिडिल-क्लास पारिवारिक कंटेंट बहुत पसंद आया। एक नई वायरल पहचान मिलने और ऐसे दर्शक मिलने के बाद जो उनके फैमिली व्लॉग्स को लगातार देखते थे, जोशी ने साल 2020 की ग्लोबल महामारी के दौरान एक बड़ा लक्ष्य तय किया। उन्होंने बिना रुके 365 दिन तक हर रोज एक व्लॉग पोस्ट करने का लक्ष्य रखा। इस फैसले ने उनकी जिंदगी बदल दी। इससे उनके यूट्यूब चैनल पर नए सब्सक्राइबर की बाढ़ आ गई। साल 2021 तक वह भारत के

आसान नहीं रही शुरुआत

यूट्यूब पर सौरव की शुरुआत आसान नहीं रही। उन्हें यूट्यूब पर अपनी पहचान बनाने में थोड़ी दिक्कत हुई। उन्होंने अपने चैनल के लिए कई नाम आजमाए, लेकिन आखिर में सौरव जोशी व्लॉग्स नाम तय किया। शुरुआती दिनों में पहचान न मिलने से हताश हुए बिना जोशी ने शोहरत और दौलत की अपनी जबरदस्त चाहत के दम पर अपना काम जारी रखा। सौरव के कला और स्केच वाले चैनल पर 250 से ज्यादा वीडियो डालने के बावजूद, उनके सब्सक्राइबर की संख्या लगभग 3 से 4 हजार पर ही अटकी हुई थी। ऑनलाइन धीमी गति से हो रही इस ग्रोथ से परेशान हुए बिना, यूट्यूबर के साल 2019 के एक व्लॉग में अपने सभी परिवार के सदस्यों को दिखाने के फैसले ने उनके सोशल मीडिया करियर की दिशा ही बदल दी।

सबसे तेजी से बढ़ने वाले व्लॉगर में से एक बन गए। वह आजकल अपने परिवार के लिए एक बड़ा घर बनवा रहे हैं और उनके पास गाड़ियों का एक शानदार कलेक्शन भी है। सौरव की कमाई अक्सर चर्चा का विषय रहती है। उनकी गाड़ियां, बन रहा आलीशान घर और उनके लाखों सब्सक्राइबर देखकर लोग अक्सर यह सोचते हैं कि वह यूट्यूब से आखिर कितना कमाते हैं।

यूएस एसईसी केस में अदाणी भाइयों ने कानूनी नोटिस लेने पर जताई सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के वकीलों ने अमेरिका की प्रतिभूति व विनिमय आयोग द्वारा 2024 में दायर सिविल आरोपों के मामले में सर्विस स्वीकार करने की अर्जी दाखिल की है। यह मामला न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट की यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चल रहा है। सर्विस स्वीकार करने का मतलब कंपनी के मुताबिक, अमेरिकी न्यायिक प्रक्रिया में सर्विस स्वीकार करने का मतलब यह होता है कि प्रतिवादी या उनके वकील कानूनी दस्तावेज सीधे प्राप्त करने पर सहमत होते हैं, जिससे प्रक्रिया सर्वर या शेरिफ के जरिए नोटिस तामील कराने की जरूरत नहीं रहती। इसे दस्तावेज प्राप्ति की वैध और स्वैच्छिक स्वीकृति माना जाता है, जो ड्यू प्रोसेस की शर्तों को पूरा करती है। एजीईएल के 31 जनवरी के स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि हमारी समझ के अनुसार, 30 जनवरी 2026 को प्रतिवादियों के वकीलों ने ईडीएनवाई के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार किए बिना और सभी उपलब्ध बचाव, जिसमें अधिकार क्षेत्र से जुड़े बचाव भी शामिल हैं। आरक्षित रखते हुए, प्रतिवादियों की ओर से सर्विस स्वीकार करने

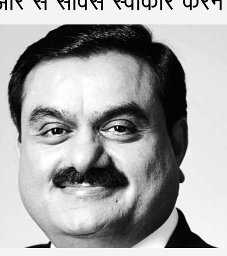

का आवेदन दाखिल किया। कंपनी ने यह भी बताया कि अदाणी भाइयों ने कुछ प्रक्रियात्मक कदम उठाए हैं और वे एसईसी की शिकायत को खारिज कराने के लिए आवेदन दायर करने या उपयुक्त रिस्पॉन्सिव प्लीडिंग्स दाखिल करने का इरादा रखते हैं। अदाणी ग्रीन ने दोहराया कि वह इन अदालती कार्यवाहियों की पक्षकार नहीं है और कंपनी के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाए गए हैं। फाइलिंग में यह भी स्पष्ट किया गया कि 27 नवंबर 2024 को दी गई पूर्व सूचना के अनुरूप, प्रतिवादियों पर अमेरिका के विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के उल्लंघन का कोई आरोप नहीं है अर्थात रिश्वत या भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगाए गए हैं।

सेल का तीसरी तिमाही का शुद्ध मुनाफा दोगुने से ज्यादा

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का एकीकृत शुद्ध मुनाफा दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही में दोगुना से ज्यादा होकर 374.03 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। आमदनी बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में 141.89 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 24,723.43 करोड़ रुपये से 11 प्रतिशत बढ़कर 27,545.93 करोड़ रुपये हो गई। एक अलग बयान में, कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अमरेंदु प्रकाश ने कहा, हमने मुनाफे में सुधार किया है, जिसमें कर बाद मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 के नौ महीनों में सालाना आधार पर 60 प्रतिशत बढ़ा है। ...मज़बूत बिक्री को घरेलू मांग और बेहतर बाजार पैठ से समर्थन मिला।

गैर-जरूरी प्रावधानों को हटाने का ऐलान कर सकती है

बजट 2026: इंडस्ट्रीयल सेक्टर के लिए हो सकता है बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के आम बजट को पेश किए जाने की तारीख अब नजदीक आ गई है। रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवीं बार आम बजट पेश करेंगी। केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर चल रही है, जिसके लिहाज से आगामी बजट में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को लेकर बड़ी घोषणाएं हो सकती है। सरकार देश में इंडस्ट्रीयल कॉरीडोर विकसित करने को लेकर बड़े ऐलान करेगी। हाल ही में प्रधानमंत्री ने भी इस बात के संकेत दिए है कि अब सरकार का लक्ष्य देश के आर्थिक विकास में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के हिस्सेदारी बढ़ाने का रहेगा। इंडस्ट्रीयल सेक्टर के लिए, किया सकता है बड़ा ऐलान इससे समझा जा सकता है कि इस बार आम बजट

में इंडस्ट्रीयल सेक्टर को लेकर बड़े ऐलान किए जा सकते हैं। औद्योगिक क्षेत्रों के तेजी से विकास को लेकर अधिक वित्तीय व्यवस्था की जा सकती है। इसके साथ ही व्यापार सुगमता को लेकर भी सुधार से संबंधित अहम फैसले लिए जा सकते हैं। बीते कुछ वर्षों में सरकार ने नई उद्योग के पंजीकरण, प्रमाण पत्र से लेकर उत्पादों को मिलने वाले सर्टिफिकेट से जुड़ी प्रक्रिया को आसान किया है लेकिन उसके बाद भी तमाम सारे ऐसे प्रावधान हैं, जिनकी वजह से उद्यमियों को परेशानी होती है। ऐसे में सरकार इंडस्ट्रीयल सेक्टर की सलाह पर गैर-जरूरी प्रावधानों को हटाने का ऐलान कर सकती है। औद्योगिक संगठनों का मानना है कि बीते कुछ वर्षों में देश के अंदर एक्सप्रेसवे, रेलवे और हवाई नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है और भविष्य में भी तेजी से काम होना है। ऐसे में जरूरत है कि सरकार देश औद्योगिक गलियारों को तेजी से विकास करेंगी तो उत्पादन शुरू होगा। मौजूदा वक्त में 10 राज्यों में 6 प्रमुख औद्योगिक गलियारों में 12 औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास पर काम चल रहा है।

40 प्रतिशत गिर गया अनिल अंबानी की कंपनी का मुनाफा, 28 के स्तर पर है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 25.11 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस पावर ने वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 41.95 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। तिमाही में दौरान कंपनी की कुल आय घटकर 1,949.78 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,159.44 करोड़ रुपये थी।

रिलायंस पावर का तीसरी तिमाही में कुल खर्च पिछले साल की इसी अवधि के 2109 करोड़ की तुलना में 12 प्रतिशत घटकर 1849 करोड़ हो गया लेकिन इस अवधि में टैक्स खर्च के कारण कंपनी के नेट मुनाफे पर असर पड़ा। कंपनी की फाइनेंसिंग कॉस्ट में कमी और इस्तेमाल किए गए

फ्यूल की लागत में गिरावट, फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के अक्टूबर से दिसंबर तिमाही में कुल खर्चों में कमी के मुख्य कारण थे। कंसोलिडेटेड फाइनेंशियल स्टेटमेंट से यह भी पता चला कि कंपनी ने 2025-26 में खत्म होने वाले

फाइनेंशियल ईयर की तीसरी तिमाही में कुल 75.02 करोड़ का टैक्स खर्च रिकॉर्ड किया जबकि पिछले साल इसी अवधि में टैक्स का बोझ 7.93 करोड़ था। कंपनी ने 30 जनवरी 2026 को मार्केट बंद होने के बाद अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए। हरुष्ठ डेटा के अनुसार शुक्रवार के स्टॉक मार्केट सेशन के बाद रिलायंस पावर के शेयर पिछले मार्केट सेशन के 27.80 के मुकाबले 1.91 प्रतिशत बढ़कर 28.26 पर बंद हुए। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 76.49 रुपये और 52 हफ्ते का लो 26.83 रुपये है। रिलायंस पावर के शेयरों ने पिछले पांच सालों में स्टॉक मार्केट इन्वेस्टर्स को उनके इन्वेस्टमेंट पर 757 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में 126 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया है। हालांकि, कंपनी के शेयरों में पिछले एक साल में 26.82 प्रतिशत की गिरावट आई है। साल-दर-साल आधार पर, कंपनी का स्टॉक 2026 में अब तक 18.49 प्रतिशत गिरा है।

डिविडेंड का भी ऐलान, स्टॉक का भाव 50 से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। बोनस शेयर देने वाली कंपनियों की लिस्ट में एक और नाम शामिल होने जा रहा है। हम बात कर रहे हैं बीटूबी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड की। कंपनी ने निवेशकों के लिए बोनस शेयर और डिविडेंड का भी ऐलान किया गया है। आइए डिटेल्स में जानते हैं। बीटूबी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले दो शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा। कंपनी ने इस बोनस शेयर के लिए अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। बता दें, बीटूबी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर दे रही है। कितना डिविडेंड दे रही है कंपनी एक्सचेंज को दी जानकारी में बीटूबी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है।

पटरी पर दौड़ेगा एआई और स्लीपर वंदे भारत का विजन

रेलवे को मिल सकता है 2.80 लाख करोड़ का रिकॉर्ड आवंटन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे के लिए वित्त वर्ष 2026-27 बदलाव का बड़ा पड़ाव साबित होने जा रहा है। आगामी बजट में रेल मंत्रालय को 2.70 लाख करोड़ से 2.80 लाख करोड़ के बीच ऐतिहासिक आवंटन मिलने की उम्मीद है। सरकार का फोकस नई घोषणाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वेटिंग लिस्ट के पुराने संकट को तकनीकी नवाचार से खत्म करने पर है। रेल मंत्री के 52 हफ्तों में 52 सुधार के फॉर्मूले की झलक बजट के हर प्रावधान में स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। कई सौगातें छिपी हैं। जून तक 8 नई स्लीपर वंदे भारत चलाने का लक्ष्य है, जबकि पूरे वर्ष में ऐसी 12 ट्रेनों की सौगात मिल सकती है। मध्य वर्ग के यात्रियों के लिए अमृत भारत ट्रेनों का विस्तार जारी रहेगा। मार्च तक अमृत भारत का नया वर्जन 3.0

(पूरी तरह एसी कोच के साथ) लाने की तैयारी है। इसके लिए इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) तेजी से रैक तैयार कर रही है। दो वर्षों में वेटिंग लिस्ट की समस्या कम करने के लिए रेलवे अतिरिक्त कोच और नई पीढ़ी की ट्रेनों पर जोर देगा। बजट में ट्रैक दोहरीकरण, नई लाइनों के विस्तार व इंजन निर्माण के लिए पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी होगी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सैकड़ों स्टेशनों के कायाकल्प को और गति दी जाएगी। पर्यावरण अनुकूल संचालन के लिए ग्रीन स्टेशन और नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में भी नए बजटीय प्रावधान संभव हैं। रेलवे की आय बढ़ाने के लिए सरकार माल ढुलाई पर विशेष ध्यान दे रही है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को बंदरगाहों, औद्योगिक क्षेत्रों और लॉजिस्टिक्स पार्कों से जोड़ने के लिए निवेश बढ़ाया जाएगा। इससे न केवल परिवहन लागत घटेगी, बल्कि माल ढुलाई का बड़ा हिस्सा सड़क से रेल की ओर शिफ्ट होगा। स्टार्टअप्स को रेलवे प्लेटफॉर्म मुहैया कराने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भी बजट में विशेष फंड का प्रावधान किया जा सकता है।

बिना डिग्री के इन फील्ड में बना सकते हैं अपना करियर

कई बार पैसों की तंगी के कारण कई लोग अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप बिना किसी डिग्री या कोर्स के इन नौकरियों को कर सकते हैं। इन फील्ड में नौकरी कर आप हर महीने अच्छी कमाई कर सकते हैं।

हर इंसान की यही चाहत होती है कि कॉलेज खत्म होने के बाद उनको एक अच्छी सी जॉब मिल जाए। ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। लेकिन कई बार ऐसा नहीं हो पाता है। वहीं कुछ परिस्थितियों के कारण हम आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण अच्छी नौकरी मिलने में दिक्कत होती है। अगर आप भी ऐसी ही किसी समस्या से परेशान हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको कुछ ऐसी नौकरियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप बिना किसी डिग्री के भी पा सकते हैं।

मेकअप आर्टिस्ट

आज के दौर में हर कोई अच्छा दिखना चाहता है। ऐसे में लोग मेकअप का सहारा लेते हैं। वहीं मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। बता दें कि मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए किसी तरह की डिग्री की जरूरत नहीं होती है। हालांकि आप कुछ ऑनलाइन कोर्सेज जरूर कर सकती हैं। इन ऑनलाइन कोर्स की मदद से आप मेकअप की हर बारीकी को अच्छे से समझ सकती हैं। मेकअप के बारे में अच्छी जानकारी होने के बाद आप बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना करियर शुरू कर सकती हैं। इसके अलावा चाहे तो खुद का सैलून भी खोल सकती हैं। इसमें आपको कमाई के अच्छे अवसर मिलेंगे।

स्टाइलिस्ट

अगर आपको भी डिजाइन में रुचि है तो आप स्टाइलिस्ट को बतौर करियर शुरू कर सकती हैं। बता दें कि यह फील्ड ऐसा है, जहां आपको डिग्री से ज्यादा काम करना आना चाहिए। इस तरह आप वॉरड्रोब स्टाइलिस्ट और फैशन स्टाइलिस्ट बन अपने करियर को नई उड़ान दे सकती हैं। भले ही यह प्रोफेशन थोड़ा अलग है, लेकिन इस फील्ड में आपको शानदार सैलरी दी जाती है।

सेलिब्रिटी मैनेजर

हर एक सेलेब्स अपने काम को मैनेज करने के लिए मैनेजर रखते हैं। क्योंकि अक्सर सेलेब्स को एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना होता है। इस नौकरी के लिए किसी डिग्री की जरूरत नहीं होती है। इस तरह बिना डिग्री के आप आसानी से सेलिब्रिटी मैनेजर बन सकती हैं। इस फील्ड में सैलरी सुन आप दंग हो जाएंगी।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी

अगर आपको भी फोटोग्राफी का शौक है तो वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को बतौर करियर चुन सकते हैं। इसके लिए किसी डिग्री या कोर्स की आवश्यकता नहीं होती है। बेहतरीन फोटोग्राफी कर आप सोशल मीडिया पर इस फोटोज को सेल कर सकती हैं।

प्रोफेशनल ब्लॉगर

आपने भी कई ब्लॉगर को देखा होगा। जो अलग-अलग विषयों के बारे में जानकारी देते हैं और लोग उनके काम को खूब पसंद भी करते हैं। बता दें कि ब्लॉगिंग आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में आप बिना किसी डिग्री व कोर्स के लाखों रुपए कमा सकते हैं।

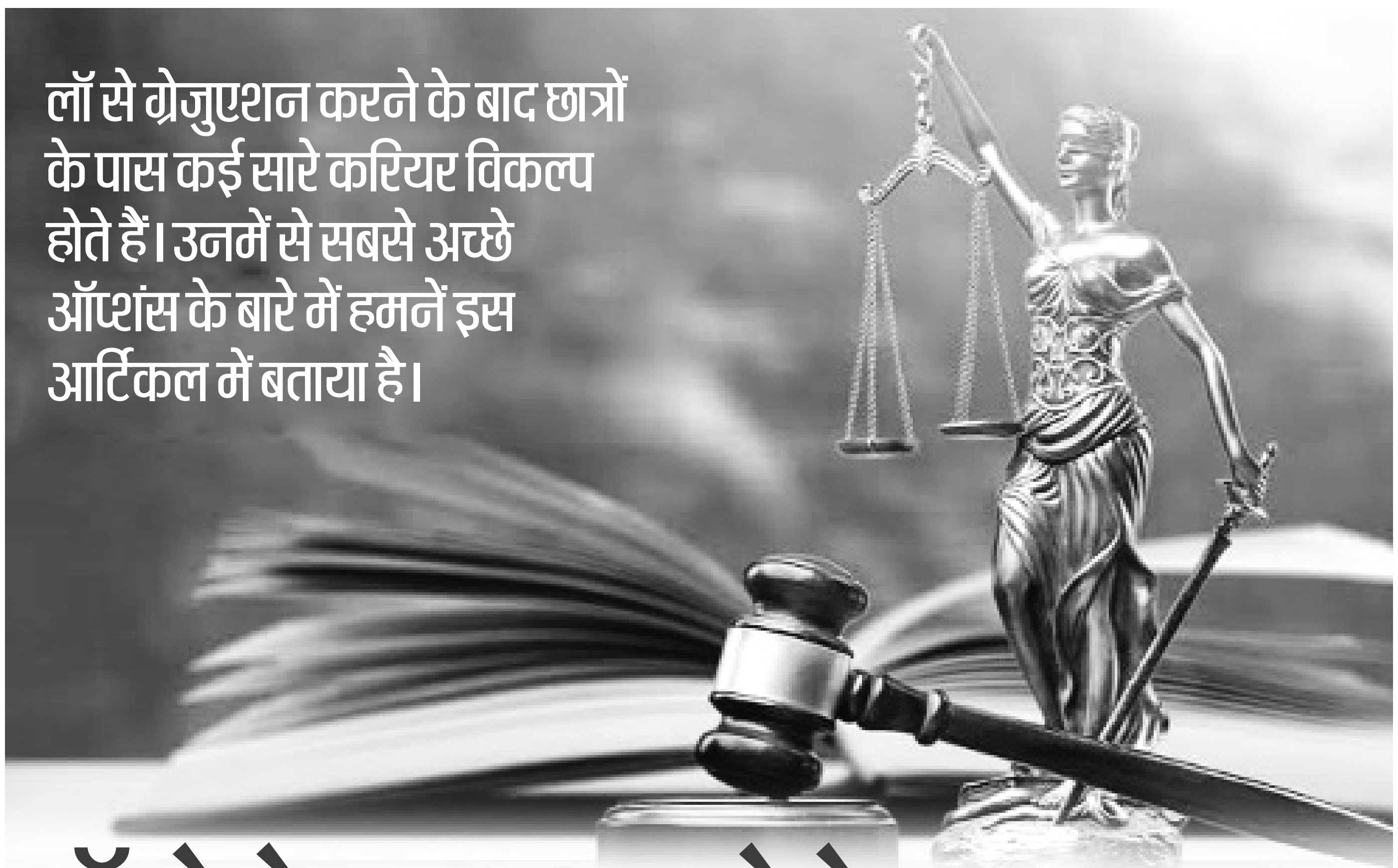

लॉ से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्रों के पास कई सारे करियर विकल्प होते हैं। उनमें से सबसे अच्छे ऑप्शंस के बारे में हमनें इस आर्टिकल में बताया है।

लॉ से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्रों के पास हैं कई करियर विकल्प

लॉ के छात्रों के पास वैसे तो कई सारे करियर ऑप्शन हैं, पर अपने इंटरेस्ट के अनुसार एक ऑप्शन चूज करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। परंपरागत रूप से कानून के छात्रों से ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुकदमेबाजी की प्रैक्टिस करने की अपेक्षा की जाती थी। हालाँकि, समय के साथ लॉ में करियर के अवसर बढ़े हैं, जिसने युवाओं को भारत में लॉ को करियर विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

जज

वकील के अलावा छात्रों के पास जज बनने का भी एक बेहतरीन अवसर होता है। जज बनने के लिए आपको उस राज्य में होने वाली जुडिशरी की परीक्षा को पास करना होता है। यह एक बहुत ही प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। न्यायाधीश के रूप में आपके ऊपर क़ानूनी व्यवस्था को सँभालने और उसे लागू करने, महत्वपूर्ण कानूनी निर्णय लेने की जिम्मेदारी होती है।

कॉर्पोरेट वकील

अगर आपको बड़े कॉरपोरेट हाउस में काम करने का मन है, तो आप कॉरपोरेट लॉयर बनकर अपना सपना पूरा कर सकते हैं। कॉर्पोरेट वकील व्यवसायों को उनके कानूनी अधिकारों, दायित्वों और लेनदेन पर सलाह देते हैं। वे सीधे निगमों के लिए या कॉर्पोरेट कानून में विशेषज्ञता वाली कानून फर्मों के लिए काम कर सकते हैं। आपके अनुभव के अनुसार इसमें आपको सैलरी भी काफी अच्छी मिलती है।

लिटिगेशन/ट्रायल वकील

अगर आप कोर्ट में जाकर अपनी वकालत प्रेक्टिस करना चाहते हैं तो आप ट्रायल वकील बन सकते हैं। ट्रायल वकील सिविल और क्रिमिनल मुकदमों में क्लाइंट का प्रतिनिधित्व करते हैं और अदालत में उनकी ओर से वकालत करते हैं। हाई-प्रोफाइल मामलों को संभालने से आपको पैसे और शोहरत दोनों मिलती हैं। कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू करने से पहले आपको अपनी रूक्क खत्म करने के बाद ऑल इंडिया बार काउंसिल की परीक्षा पास करनी होती है और फिर उसके बाद अपने संबंधित राज्य में उसके बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

सरकारी वकील

सरकारी वकील सरकार की तरफ से केस लड़ते हैं। वे स्थानीय, राज्य या संघीय स्तर पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों के लिए काम करते हैं। वे कानूनी मामलों पर सलाह देते हैं और मुकदमेबाजी में सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन एक तरीका है जिसमें विवादों को सुलझाने के लिए कोर्ट के बाहर के विकल्पों का उपयोग किया जाता है। इसमें कोर्ट की लंबी प्रक्रिया और लागत से बचा जा सकता है। इसके तहत कई प्रकार के तरीके शामिल होते हैं, जैसे मीडिएशन और आरबिट्रेशन। इसका उद्देश्य विवाद को जल्दी से सुलझाना होता है। इसमें आप एक मिडिएटर के रूप में काम कर सकते है।

कंटेंट राइटर

अनुभव और एक मजबूत पोर्टफोलियो वाले कानून के छात्रों के लिए लीगल कंटेंट राइटिंग एक प्रोमिसिंग और डायनामिक करियर ऑप्शन है। इसमें आपको काफी हाई पेइंग जॉब्स मिल जाते हैं जो आपके एक्सपीरियंस के अनुसार बढ़ती रहती है। आप सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट बन सकते हैं। इसके साथ-साथ आप लीगल कंसलटिंग और जर्नलिज्म में भी काम कर सकते हैं।

लीगल एडवाइजर

लीगल एडवाइजर के रूप में आप व्यवसायों और संगठनों को कानूनी मामलों पर एक्सपर्ट एडवाइस प्रदान करते हैं। आप इंडिपेंडेंट या कंसल्टेंसी फर्म के जरिए काम कर सकते हैं। लीगल एडवाइजर्स की आज के टाइम में बहुत ज्यादा डिमांड है। सभी बिजनेस को विभिन्न कानूनी मुद्दों पर विशेष ज्ञान और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

लॉ प्रोफेसर

लॉ प्रोफेसर लॉ स्कूलों में पढ़ाते हैं और लीगल रिसर्च करते हैं। टीचिंग हमेशा से एक नोबल प्रोफेशन रहा है और आप एक लॉ टीचर बन के छात्रों के साथ हमेशा जुड़े रह सकते हैं और उन्हें सही मार्गदर्शन दे सकते हैं। सरकारी कॉलेज में टीचर की सैलरी पैकेज भी बहुत अच्छे होते हैं।

जज एडवोकेट जनरल अधिकारी

यदि आपका सपना इंडियन आर्म्ड फोर्सज ज्वाइन करने का है तो आप लॉ की पढ़ाई के बाद भी इसे ज्वाइन कर सकते हैं। आप जज एडवोकेट जनरल बनकर सेना में शामिल हो सकते हैं। भारतीय सेना का JAG अधिकारी मेजर होता है जो सेना के कानूनी और न्यायिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है। एक JAG अधिकारी सैन्य कानून या नीतियों की व्याख्या और उन्हें लागू करने में कोर्ट-मार्शल के पीठासीन अधिकारियों की मदद करता है।

इंजीनियरिंग के किस सेक्टर मे है सबसे ज्यादा सैलरी

अगर आप भी करना चाहते हैं इंजीनियरिंग तो यह खबर आपके लिए है। बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। किस इंजीनियरिंग सेक्टर मे सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

12वीं पास छात्र इंजीनियरिंग में करियर बनाने का सपना देख रहे हैं। लेकिन समझ नहीं आ रहा किस ब्रांच का चुनाव करना सही है। चिंता छोड़िए और हम आपको बताएंगे कि बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। बीटेक कंप्यूटर साइंस के साथ अब बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स भी मार्केट में काफी डिमांड में है। किस इंजीनियरिंग सेक्टर मे सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

बीटेक कंप्यूटर साइस

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं तो आप कंप्यूटर एप्लीकेशन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डेटा बेस एनालिसिस के लिए बीटेक कंप्यूटर साइस कोर्स कर सकते हैं।

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

जब से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तब से इसकी काफी डिमांड हो गई है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के जरिए लोग फोटो, लिखना और वॉइस आवाज निकाल रहे हैं। इसकी मांग काफी बढ़ रही है। कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे कोर्स शुरु किए गए हैं।

किस कोर्स में सबसे ज्यादा कमाई

आज के समय को देखा जाए तो बीटेक कंप्यूटर साइंस डिग्री वालों को हाई सैलरी पर नौकरी मिलती है। वहीं, आने वाले समय में बीटके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डिमांड बढ़ने वाली है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस की जानकारी रखने वाले को लाखों का पैकेज मिल सकता है।

कौन कोर्स बेस्ट?

12वीं के बाद छात्रों को टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटके कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस का कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के कई शॉर्ट टर्म कोर्स भी शुरु किए हैं। जिसे आप कर सकते हैं और आपको नौकरी मिल जाएगी।

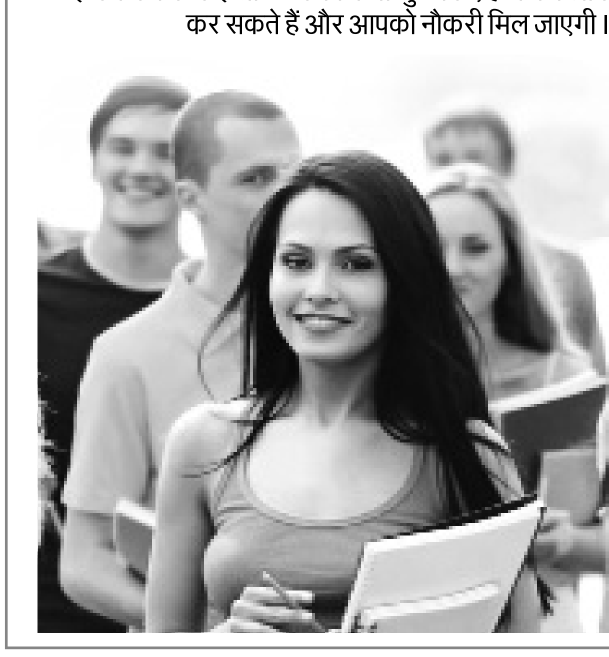

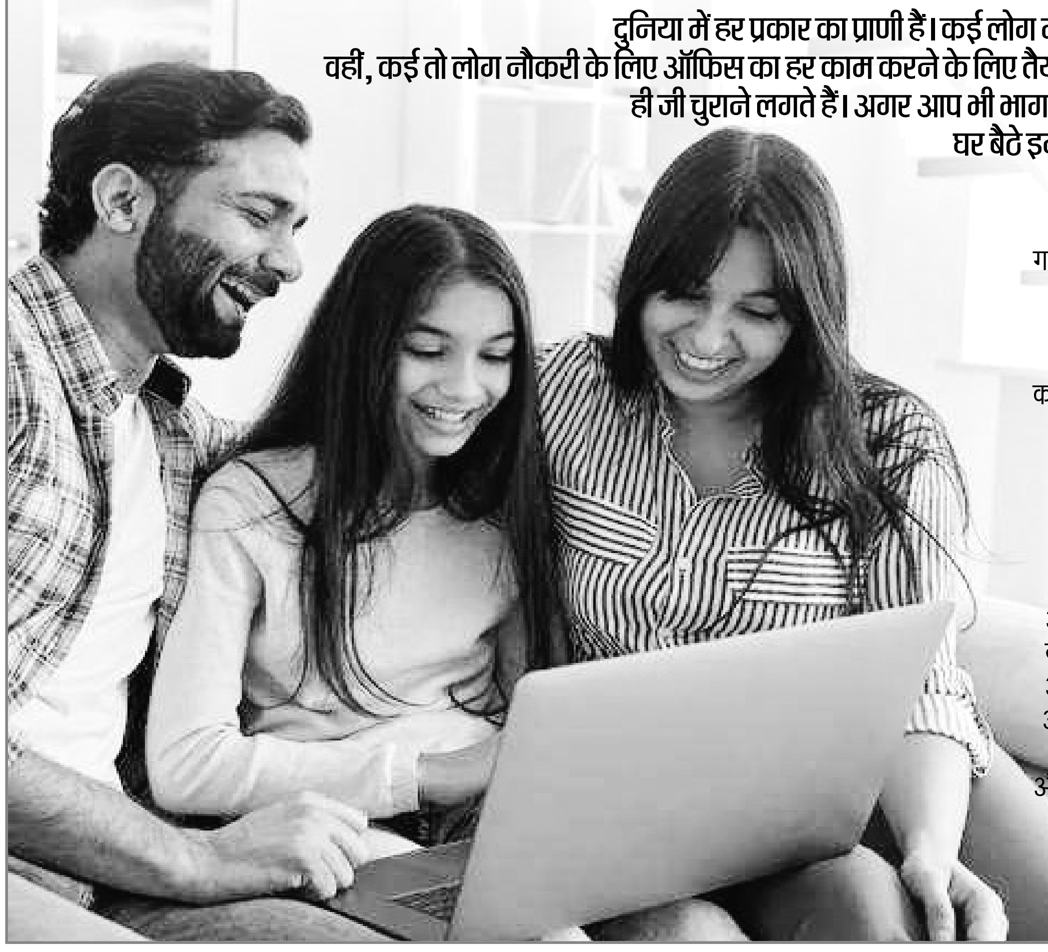

दुनिया में हर प्रकार का प्राणी हैं। कई लोग मेहनती होते हैं तो कुछ महा-आसली होते हैं। वहीं, कई तो लोग नौकरी के लिए ऑफिस का हर काम करने के लिए तैयार रहते हैं तो कुछ ऑफिस जाने के नाम से ही जी चुराने लगते हैं। अगर आप भी भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते तो आप घर बैठे इन नौकरियों से कमा सकते हैं लाखों रुपये।

...अगर आप भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते

कोरोना काल के बाद से वर्क फ्रॉम होम का कल्चर काफी चल गया है। तब से वर्क कल्चर काफी बदल गया। आज भी कुछ जगह हाइब्रिड मोड में काम चल रहा है। आज भी कंपनियों ने एंप्लॉइज को परमानेंट घर से काम करने की सुविधा दे रखी है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो फिर से ऑफिस में जाकर काम नहीं करना चाहते हैं। इन लोगों को आप चाहे आलसी कहो या फिर घर से काम करने की आदत हो गई है। आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसी नौकरियां जिन्हें आप कर सकते हैं। जहां आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है।

शॉपिंग कंसल्टेंट

आमतौर पर शॉपिंग कंसल्टेंट काफी डिमांड में हैं। बता दें कि, इन्हें आप पर्सनल शॉपर भी कहा जाता है। अगर आपको शॉपिंग का शौक है और स्टाइलिंग तो यह जॉब आपके लिए ही है। नामी इंफ्लुएंसर्स, एक्टर्स, एक्ट्रेसेस और बिजनेसमेन मार्केट में पहचाने जाने की वजह से और बिजी लाइफस्टाइल की वजह से खुद शॉपिंग करने नहीं जाते हैं। वह शॉपिंग कंसल्टेंट या पर्सनल शॉपर हायर कर लेते हैं। आप भी कर सकते हैं यह मजेदार जॉब।

बुक रिव्यू जॉब

अगर आप बुक पढ़ने के शौकीन हैं तो आप अपने शौक को अच्छी कमाई में बदल सकते हैं। इस कार्य को आप प्रोफेशनली भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि आप जहां से चाहें, वहां से बुक्स रिव्यू कर सकते हैं। इसके लिए आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है। आप खुद भी लेखकों से टाई अप कर सकते हैं या किसी पब्लिशिंग हाउस से बात कर सकते हैं। आप बुक रिव्यू के ब्लॉग्स भी बना सकते हैं।

फूड क्रिटिक

आप खाना-पीने के शौकीन हैं तो यह जॉब आपके लिए है। शुरुआत में आपको अपना नाम बनाने के लिए थोड़ी मेहनत करनी होगी, फिर आपको रेस्त्रां और कैफे वाले खुद ही इनविटेशन भेजने लगेंगे। फूड क्रिटका काम होता है, खाने-पीने की चीजों का रिव्यू देना। इस कार्य में ईमानदारी होनी चाहिए तभी लोग आपको आपके काम से पहचानेंगे। इस नौकरी में कोई वर्किंग आवर्स निश्चत नहीं होते हैं। आप अपनी मर्जी और शेड्यूल के हिसाब से यह काम कर सकते हैं।

मैट्रेस टेस्टर जॉब

सोना तो सभी को पसंद है, अगर आप भी कुंभकरण की तरह सोते हैं, तो यह जॉब आपके लिए है। आपको सोने के पैसे भी मिलेंगे। दरअसल, गद्दे, तकिए बनाने वाली कई कंपनियां मैट्रेस टेस्टर हायर करने लगी हैं। इनका काम होता है गद्दे पर सोकर इसकी क्वालिटी टेस्ट करना और आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी। वहीं स्लीपिंग पैटर्न पर रिसर्च करने वाले एक्सपर्ट भी लोगों को सोने के बदले लाखों रुपये देते हैं।

वाइन टेस्टिंग जॉब

अगर आप वाइन पीते हैं तो यह नौकरी आपके लिए है। इसे टेस्ट करने से आप अपना घर चला सकते है। विदेशों की तरह अब भारत में भी टेस्टिंग जॉब्स खूब है। बता दें कि वाइन बनाने वाली कंपानियां और बार आदि में वाइन टेस्टर बुलाए जाते हैं। इन्हें नई वाइन पर अपना फीडबैक देना होता है। फ्रेशर के तौर पर आप 10-20 हजार रुपये कमा सकते हैं। कुछ सालों बाद जब अनुभव हो जाएगा तब आप 50 हजार रुपये कमा सकते हैं।

पूर्व क्रिकेट इंटरनेशनल अंपायर रघुवीर सिंह का निधन

2 इंटरनेशनल टेस्ट और 7 वन-डे में की थी अंपायरिंग, पंजाब राज्यपाल कटारिया रहे स्टूडेंट

उदयपुर (एजेंसी)। उदयपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट अंपायर प्रोफेसर रघुवीर सिंह राठौड़ (88) का शुक्रवार शाम निधन हो गया। प्रो. राठौड़ दो इंटरनेशनल क्रिकेट टेस्ट मैच और 7 इंटरनेशनल वन–डे में अंपायरिंग कर चुके हैं। वे सेंट्रल जोन (यूपी, एमपी, विदर्भ, रेलवे, राजस्थान) से निकले हुए पहले इंटरनेशनल टेस्ट अंपायर थे। करीब 11 साल तक राजस्थान रणजी टीम के सदस्य भी रह चुके थे। अशोक नगर निवासी प्रो.राठौड़ 15 दिन से अस्वस्थ थे। वे हॉस्पिटल में भर्ती थे। शाम करीब 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।वे मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में भूगोल विषय के प्रोफेसर रह चुके हैं। उनके मित्र पूर्व इंटरनेशनल अंपायर बलवंत शर्मा ने कहा– पंजाब राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, पूर्व सांसद नमोनारायण मीणा और पूर्व आईएएस धर्मसिंह सागर सहित कई नामी लोग उनके स्टूडेंट रहे हैं।

पहला टेस्ट इंडिया–श्रीलंका के बीच कराया– उनके घनिष्ठ मित्र पूर्व इंटरनेशनल अंपायर बलवंत शर्मा ने बताया– रघुवीर सिंह राठौड़ मुझे अपना छोटा भाई मानते थे। उनसे मेरी करीब 45 साल की कई सारी यादें जुड़ी हैं। वे बहुत कॉपरेटिव और मिलनसार थे। उन्होंने वर्ष 1992 में चंडीगढ़ में इंडिया वर्सेज श्रीलंका के टेस्ट मैच में पहली बार इंटरनेशनल लेवल पर अंपायर की। इसके बाद दूसरे टेस्ट वर्ष 1993 में चेन्नई में इंडिया वर्सेज इंग्लैंड में अंपायर रहे। इसके अलावा 7 वन–डे इंटरनेशनल मैच में अंपायरिंग कर चुके हैं। इसमें सबसे पहला वन डे मैच इंडिया और आस्टेलिया के बीच कराया था।

चांदी के बढ़ते दामों के बीच प्रतिका रावल ने दिखाई दिलचस्पी

बेचने को लेकर यूजर्स से मांगी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांदी के लगातार बढ़ते दामों पर भारतीय महिला टीम की स्टार ओपनर प्रतिका रावल ने दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने शुक्रवार को

सोशल मीडिया पर यूजर्स से राय मांगी। बता दें कि, भारत में पहली बार चांदी की वायदा कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम का आंकड़ा छू गई हैं। बाजार विश्लेषकों की मानें तो वैश्विक स्तर पर जिस तरह का माहौल है, उस लिहाज से चांदी की कीमत कम होने की संभावना नहीं दिखती।

प्रतिका ने मांगी यूजर्स से राय

प्रतिका रावल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मेरे पास 15 किलो चांदी है जो मैंने 75 हजार में खरीदी थी और बहुत से लोग मुझे इसे बेचने की सलाह दे रहे हैं, क्या मुझे इसे बेच देना चाहिए? या इसके और बढ़ने का इंतजार करना चाहिए? हमने इसे कोविड के समय खरीदा था।

चोट से उबर रहीं प्रतिका– प्रतिका इन दिनों महिला विश्व कप के दौरान लगी चोट से उबर रही हैं। इस टूर्नामेंट में उनका बल्ला खूब गरजा। सात मैचों में उन्होंने 308 रन बनाए और भारत की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। हालांकि, चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में छोड़ना पड़ा, इसके बावजूद वह सभी टीमों में चौथी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं।

पीवी सिंधु इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में

टॉप सीड चेन यू फी से होगी टक्कर

जकार्ता (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने दाइहात्सु इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब शुक्रवार को उनका सामना टॉप सीड चीन की चेन यू फी से होगा। हेड–टू–हेड रिकॉर्ड में चेन यू फी 7–6 से आगे हैं, ऐसे में मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

प्री–क्वार्टरफाइनल में सिंधु ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट को 43 मिनट चले मुकाबले में 21–19, 21–18 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

इससे पहले सातवीं सीड लक्ष्य सेन ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग के जेसन गुनावन को महज 43 मिनट में 21–10, 21–11 से मात दी। लक्ष्य का अगला मुकाबला थाईलैंड के पानित्चाफोन टीरारत्सकुल से होगा।

वहीं युवा खिलाड़ी अनमोल खरब ने पूर्व वर्ल्ड नंबर–1 और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता नोजोमी ओकुहारा को कड़ी टक्कर दी। अनमोल ने पहला गेम 21–16 से जीता, लेकिन बाद के गेम गंवाकर मुकाबला हार गईं।

दूसरी ओर, पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत और पुरुष युगल में हरिहरन अमसकारुणन/एम आर अर्जुन का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया।

- आज सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने उतरेगी भारतीय अंडर-19 टीम

पाकिस्तान से हिसाब होगा चुकता?

बुलावायो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की अंडर-19 टीमों के बीच रविवार को विश्व कप का मैच खेला जाएगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिहाज से दोनों टीमों के लिए यह मैच काफी अहम है। पांच बार की चैंपियन भारतीय अंडर-19 टीम का सामना सुपर सिक्स के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से रविवार को होगा। पाकिस्तान ने विश्व कप से पहले एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराया था और अब आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम के पास पाकिस्तान से हिसाब चुकता करने का मौका रहेगा। भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय चल रही है और पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए वह सेमीफाइनल में जगह बना लेगी।

क्या बरकरार रहेगी नो हैंडशेक नीति

पाकिस्तान ने दिसंबर में अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को 191 रनों से हराया था। अब भारतीय टीम इसी हार का बदला चुकता करने उतरेगी। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम नो हैंडशेक की नीति बरकरार रखेगी। भारतीय टीम के खिलाफ मैच के दौरान या मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला रहे हैं।

- **शानदार लय में है भारत**– भारतीय टीम अब तक अंडर–19 विश्व कप में शानदार लय में है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका को छह विकेट से हराकर की थी। इसके बाद बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को ग्रुप चरण में हराया था। सुपर सिक्स चरण के पहले मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रनों से हराया था। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं रहेगा क्योंकि हाल ही में म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को पाकिस्तान से हार मिली थी।
- **भारत का मजबूत पक्ष**– विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने चार मैच में 183 रन बनाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 80 रन है। टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी लय में हैं ।

पाकिस्तान ने की है वापसी

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना शुरुआती मैच गंवाया था, लेकिन इसके बाद उसने स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले दो मुकाबले जीते थे। सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया था और वह भारत के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी। ओपनर समीर मिनहास ने टूर्नामेंट में प्रभावित किया है और वह दो अर्धशतक लगा चुके हैं। मिनहास ने एशिया कप फाइनल में भारत के खिलाफ 172 रन बनाए थे।

किस तरह पाकिस्तान को बाहर कर सकता है भारत?

सेमीफाइनल के लिए तीन टीमों ने क्वालिफाई कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंच चुके हैं और अब सिर्फ एक स्थान शेष है। भारत ने अपने सभी मैच जीते हैं और वह छह अंक लेकर इंग्लैंड के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद है। भारत का नेट रन रेट भी +3.337 का है। भारत अगर रविवार को पाकिस्तान को हरा देता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा और पाकिस्तान का सफर सुपर सिक्स चरण में ही थम जाएगा। इतना ही नहीं, अगर किसी तरह पाकिस्तान ने भारत को हरा भी दिया तो दोनों टीमों के एक समान छह अंक होंगे। भारत का नेट रन रेट पाकिस्तान से बेहतर है और इसमें बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो भी टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

चोटिल पैट कमिंस टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर

- बेन ड्वारशुइस को मौका, मिचेल मार्श कप्तानी करेंगे; 3 नए प्लेयर्स को मौका

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी–20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वे बैक इंजरी से रिकवर नहीं हो पाए हैं। उनकी जगह लेफ्टी पेसर बेन ड्वारशुइस को मौका दिया गया है। कमिंस के अलावा, मैथ्यू शॉर्ट भी अपनी जगह नहीं बच सके हैं। उनके स्थान पर मैट रैनशॉ को चुना गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को टीम का ऐलान किया। मिचेल मार्श को कप्तानी दी गई है। वहीं, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनली और मैथ्यू कुह्नेमन जैसे युवाओं को मौका दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 11 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। फिलहाल, ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान के

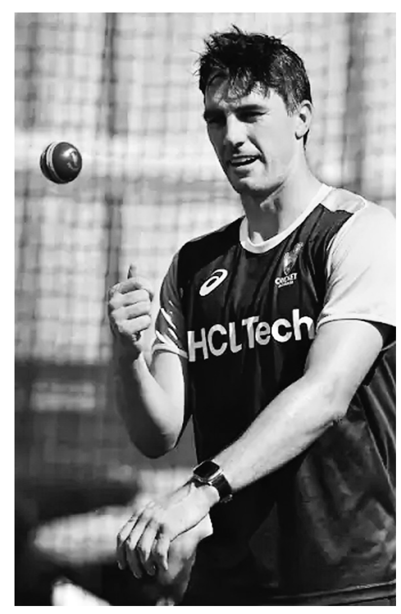

खिलाफ 3 टी–20 मैचों की सीरीज खेल रही है। टीम को पहले मैच में 22 रन की पराजय झेलनी पड़ी। सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 4:30 बजे से लाहौर में खेला जाएगा।

3 प्लेयर्स वर्ल्ड कप डेब्यू करेंगे– स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन, ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को पहली बार टी–20 वर्ल्ड कप टीम में मौका मिला है। कूपर कोनोली का चयन चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी–20 इंटरनेशनल मैचों में हिस्सा नहीं लिया था। टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोयनिस अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं। ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन जैसे अनुभवी ऑलराउंडर शामिल हैं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट और बेन ड्वारिशिस जैसे गेंदबाजों पर है। एडम जम्पा और नाथन एलिस भी बॉलिंग लाइनअप का हिस्सा हैं।

पैट कमिंस की वापसी टली

पिछले कुछ समय से इंजरी से परेशान रहे पैट कमिंस का नाम टीम में शामिल नहीं है। वे टीम के साथ पाकिस्तान दौर पर भी नहीं गए थे। उम्मीद की जा रही थी कि वे वर्ल्ड कप से पहले ठीक हो जाएंगे। सिलेक्टर टोनी डोडमेडे ने कहा, 'पैट को अपनी पीठ की चोट से ठीक होने में ज्यादा समय लग रहा है, इसलिए बेन एक अच्छा रिप्लेसमेंट है।

पाकिस्तान से मैच के पहले सचिन ने भारतीय अंडर-19 टीम से की बातचीत

बीसीसीआई ने साझा की तस्वीरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंडर-19 विश्व कप में हिस्सा ले रही भारतीय टीम के खिलाड़ियों से पाकिस्तान के खिलाफ अहम सुपर सिक्स मुकाबले से पहले वर्चुअल बातचीत की। इंग्लैंड ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। इसके बाद रविवार को भारत और पाकिस्तान के

बीच होने वाला मुकाबला और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सुपर सिक्स ग्रुप बी से नॉकआउट चरण में सिर्फ एक ही टीम जगह बना पाएगी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर वर्चुअल मुलाकात की तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में कहा, यह अनुभव बेहद महत्वपूर्ण रहा जिसमें अगली पीढ़ी को लगातार बदलते खेल में सफलता और लंबे करियर के लिए अहम जानकारियां और दृष्टिकोण मिला।

सैम करन टी-20 में हैट्रिक लेने वाले दूसरे इंग्लिश क्रिकेटर

इंग्लैंड ने पहले मुकाबले में श्रीलंका को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

पल्लेकेले (एजेंसी)। इंग्लैंड ने श्रीलंका को पहले टी-20 मुकाबले में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 11 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लिश टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बारिश के कारण मुकाबला तय समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके चलते ओवरों में कटौती कर इसे 17-17 ओवर का मैच कर दिया गया।

शुक्रवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लिश गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 133 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में इंग्लैंड ने 15 ओवर में 4 विकेट पर 125 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने फिर से खलल डाल दिया और आगे का खेल संभव नहीं हो सका। डकवर्थ-लुईस नियम के अनुसार इंग्लैंड उस समय टारगेट से आगे था, जिसके चलते मुकाबला इंग्लैंड के नाम रहा। गेंदबाजी में सैम करन और आदिल रशीद ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें करन ने हैट्रिक ली।

सैम करन की हैट्रिक

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद श्रीलंका की टीम 16.2 ओवरों में 133 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस ने 37 जबकि पाथुम निसांका ने 23 रन बनाए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें आदिल रशीद और सैम करन ने तीन–तीन विकेट चटकाए। सैम करन ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर दासुन शनाका, महीश तीक्षणा और माथीश पथिराना को आउट करते हुए हैट्रिक पूरी की।

नोवाक जोकोविच 11वीं बार ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज से होगा मुकाबला; सिनर को 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराया

मेलबर्न (एजेंसी)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जहां उसका सामना वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज से एक फरवरी को दोपहर 2 बजे से होगा। 38 साल के जोकोविच ने मेंस सिंगल्स कैटेगरी के सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर को 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। वे ओपन एरा में इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। जोकोविच ने 11वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। वे 2023 के बाद खिताबी दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने 10 फाइनल खेले और सभी जीते हैं। जोकोविच अपने करियर के 25वें ग्रैंड स्लैम और 11वें ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल से एक जीत दूर हैं। फिलहाल वे मार्गरेट कोर्ट के 24 ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड की बराबरी पर हैं।

अल्काराज पहली बार फाइनल में पहुंचे– वर्ल्ड नंबर-1 स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। चोट से जूझ रहे अल्काराज ने सेमीफाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों तक चले मुकाबले में मात दी। मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला गया यह मैच 5 घंटे 27 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज ने ज्वेरेव को 6-4, 7-6, 6-7, 6-7, 7-5 से हराया।

अल्काराज बोले- मुझे खुद पर बेहद गर्व है- जीत के बाद अल्काराज ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं कि हालात चाहे जैसे भी हों, खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी है। तीसरे सेट में मैं संघर्ष कर रहा था। शारीरिक रूप से यह मेरे करियर के सबसे कठिन मुकाबलों में से एक था। उन्होंने कहा- 'मैं पहले भी ऐसे मैच खेल चुका हूं, इसलिए मुझे पता था कि मुझे क्या करना है। मुझे इसमें दिल-जान लगा देनी थी। मैंने ऐसा ही किया और आखिरी गेंद तक लड़ता रहा। पांचवें सेट में जिस तरह से मैंने वापसी की, उस पर मुझे खुद पर बेहद गर्व है।' अल्काराज के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का मौका अल्काराज के ट्रॉफी कैबिनेट में अब तक का एकमात्र ग्रैंड स्लैम खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन ही बचा है। अगर वह इस साल मेलबर्न में जीत हासिल करते हैं, तो वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के मेंस प्लेयर बन जाएंगे।

करियर ग्रैंड स्लैम का मतलब है कि किसी खिलाड़ी ने अपने पूरे करियर के दौरान चारों ग्रैंड स्लैम कम से कम एक बार जीती हों। इन्हें एक ही कैलेंडर ईयर में जीतना जरुरी नहीं है।

गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग एक फरवरी को तालु के गौ लोक धाम में

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। गांव तालू स्थित गौ लोकधाम आश्रम में एक फरवरी को वार्षिक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम में हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उपायुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री गर्ग सुबह 11ः00 बजे गौ लोक धाम आश्रम में पहुंचेंगे। इस दौरान गौशाला का निरीक्षण करेंगे और अपना संदेश देंगे।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रतिबंध पॉलिथीन और सिंगल यूज प्लास्टिक सामान बेचने वालों के 36000 रुपए के कांटे चालान

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भिवानी की टीम ने एसडीओ विकास के नेतृत्व में प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक सामग्री एवं पॉलीथिन का उपयोग पर रोक लगाने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से शहर में विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया गया। इस दौरान 36 हजार रुपए के चालान काटे गए। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेंद्र अरोड़ा ने बताया कि शहर के प्रमुख स्थानों पर जागरूकता बैनर भी लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से सिंगल यूज़ प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में आम जनता को जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक सामग्री एवं पॉलीथिन का उपयोग पर्यावरण के लिए खतरा है। प्रदूषित पर्यावरण से हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने अभियान के दौरान दुकानदारों के साथ साथ अपील की गई है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन का प्रयोग ना करें।

गांव ढाणी गुजरानी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सुपरवाइजर अंजना की अध्यक्षता में गाँव ढाणी गुजरानी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सरकार द्वारा महिलाओं व छोटे बच्चों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई और योजनाओं का लाभ उठाने के अपील की गई। कार्यक्रम में सुपरवाइजर अंजना ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लिंगानुपात में सुधार लाना, बालिकाओं के अस्तित्व की रक्षा करना तथा उनकी सुरक्षा एवं सम्मान को सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना केवल बेटियों के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य सभी क्षेत्रों में सशक्तिकरण करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है, ताकि बेटियाँ समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी वर्कर-हेल्पर सहित स्थानीय महिलाएँ एवं बच्चे उपस्थित रहे।

भिवानी के रूपेश ने जीता हेवी वेट में गोल्ड

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। राजस्थान के बेवर में गत दिवस आयोजित राजस्थान क्लासिक प्रतियोगिता में भिवानी के रूपेश पंडित ने गोल्ड मेडल जीता है। आज भिवानी पहुंचने पर रूपेश जिम में सम्मान समारोह आयोजित किया। रूपेश के गुरु विकास मल्होत्रा व अन्य ने उन्हें सम्मानित किया। विकास मल्होत्रा ने बताया की गत दिवस राजस्थान बेवर में आयोजित राजस्थान क्लासिक प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीता है। उन्होंने बताया की यह प्रतियोगिता हेवी वेट में हुई थी, जिसमें रूपेश ने 80 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। आज रूपेश के भिवानी पहुंचने पर उनके गुरु दिलखुश जिम के संचालक विकास मल्होत्रा ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर संदीप सचदेवा, विकास मेहता, गौरव तंवर, जतीन सचदेवा, डॉ. सुरेंद्र, कृष्ण सिंघल, परवीन कालू, मोनिका, सुहानी, कनन, सत्तू सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

नवीन प्रशासनिक पहल से पंचकूला नगर निगम की कार्यप्रणाली में दिखने लगा सकारात्मक बदलाव

फील्ड निरीक्षण, त्वरित निर्णय और प्रभावी फॉलो-अप से स्वच्छता व इंफ्रास्ट्रक्चर में निरंतर सुधार

After

After

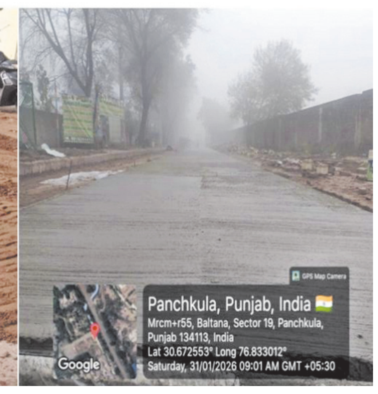

पंचकूला। पंचकूला नगर निगम द्वारा हाल के दिनों में अपनाई गई सक्रिय, समयबद्ध एवं फील्ड-आधारित कार्यप्रणाली के सकारात्मक परिणाम अब शहर में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होने लगे हैं। नगर निगम प्रशासन के स्तर पर लिए जा रहे त्वरित निर्णयों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन से नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार दर्ज किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा स्वच्छता व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण तथा जन शिकायतों के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देते हुए शहरभर में फोकस्ड कार्रवाई की जा रही है। नियमित फील्ड निरीक्षणों एवं तत्पर फॉलो-अप के माध्यम से निगम की जवाबदेही, संवेदनशीलता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।

शहरभर में फील्ड निरीक्षण और ऑन-स्पॉट निर्णय – नगर निगम प्रशासन द्वारा पंचकूला को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं मॉडल शहर के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न सेक्टरों एवं गांवों में औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। इन निरीक्षणों के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिससे समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब से बचा जा सके।

झूरीवाला ट्रांसफर स्टेशन पर स्वच्छता में त्वरित सुधार – दिनांक 29 जनवरी 2026 को झूरीवाला ट्रांसफर स्टेशन के निरीक्षण के दौरान जमा कचरे को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। निगम की त्वरित कार्रवाई के फलस्वरूप मात्र दो दिनों के भीतर कचरे का अधिकांश भाग हटाया गया, जिससे क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

सेक्टर-19 में सड़क निर्माण कार्य को मिली गति – 30 जनवरी को सेक्टर-19 (आरयूबी के पास) सीसी रोड एवं पेवर ब्लॉक से संबंधित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। कार्य में देरी एवं नागरिकों को हो रही असुविधा को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। वर्तमान में निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है तथा इसे निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

सेक्टर-2 में पार्क रखरखाव एवं दीवार मरम्मत कार्य आरंभ – सेक्टर-2 में टूटी हुई दीवार एवं ग्रीन बेल्ट के रखरखाव संबंधी प्राप्त शिकायतों के आधार पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत पार्क की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं दीवार मरम्मत के निर्देश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप संबंधित कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं।

सेक्टर-20 (कुंडी गांव) में कचरा एवं जलभराव पर त्वरित कार्रवाई – सेक्टर-20 के कुंडी गांव में नागरिकों से संवाद के दौरान कचरा जमा होने एवं जलभराव की समस्याएं संज्ञान में आईं। निगम प्रशासन द्वारा इसे प्राथमिकता पर लेते हुए संबंधित विभागों को मौके पर ही निर्देश दिए गए, जिसके बाद डंप साइट की सफाई का कार्य आरंभ किया गया है। स्थानीय निवासियों द्वारा कार्य की संतोषजनक प्रगति की पुष्टि की गई है।

नागरिक-केंद्रित और परिणामोन्मुख शासन की दिशा में ठोस कदम – नगर निगम प्रशासन का मानना है कि ये समन्वित प्रयास इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि पंचकूला नगर निगम की कार्यप्रणाली निरंतर सुदृढ़ हो रही है। तेज़ निर्णय प्रक्रिया, फील्ड-लेवल मॉनिटरिंग और परिणाम आधारित सेवा वितरण को भविष्य में भी प्राथमिकता दी जाएगी। निगम आयुक्त श्री विनय कुमार ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि इसी सक्रिय दृष्टिकोण से पंचकूला में नागरिक इंफ्रास्ट्रक्चर और जीवन की समग्र गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाएगा।

4 लेबर कोड के खिलाफ 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में राष्ट्रीय कामगार संघ के सदस्य लेंगे भाग

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। राष्ट्रीय कामगार संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश गुजरानी के नेतृत्व में संघ सदस्यों ने लेबर कोड के प्रति अपना विरोध जताया और 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने का निर्णय लिया।

इस अवसर पर सुरेश गुजरानी ने कहा कि नए नियमों के तहत प्रबंधकों को 8 घंटे की बजाय 12 घंटे ड्यूटी लेने की छूट मिल जाएगी। 299 तक की संख्या वाले उद्योगों के मालिकों को अब मजदूरों की छंटनी, ले-ऑफ और तालाबंदी के लिए कड़े नियमों की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे रोजगार की सुरक्षा खत्म हो जाएगी। लोर वेज की अवधारणा लाकर मजदूरों को न्यूनतम वेतन से भी कम भुगतान करने का रास्ता खोल दिया गया है। नए कोड के जरिए मजदूरों के यूनियन बनाने और सामूहिक रूप से मांग मनवाने की शक्ति को कमजोर किया गया है। उन्होंने कहा कि अब लगभग सभी क्षेत्रों में ठेका प्रथा को लागू करने का प्रावधान किया गया है, जो सीधे तौर पर शोषण को बढ़ावा देगा।

सुरेश गुजरानी ने कहा कि सरकार के इन फैसलों से मजदूरों के जीवन में कंगाली, दुख-तकलीफ और अभाव बढ़ेगा। हम काम का बोझ और वेतन में कटौती को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने न केवल औद्योगिक श्रमिकों बल्कि कर्मचारियों और आम मेहनतकश जनता से भी अपील की है कि वे इस हड़ताल को सफल बनाने में सहयोग दें।

इस अवसर पर प्रधान अशोक शर्मा चरखी दादरी, झज्जर के जिला प्रधान दलबीर खटक, महेंद्रगढ़ से जिला प्रधान विष्णु यादव, प्रमिला देवी चरखी दादरी, लीगल एडवाईजर सुशीला यादव भिवानी, सुमन बलियाली, पूजा बलियाली, प्रधान अनिल दहिया कोसली, ममता दहिया महिला विंग प्रधान भिवानी, ऑफिस सेक्रेटरी सारिका रंगा सहित आदि शामिल रहे।

हरियाणवी विरासत प्रदर्शनी देखकर अभिभूत हुए उप-राष्ट्रपति

- **विरासत प्रदर्शनी में उप-राष्ट्रपति का पगड़ी बांध कर किया गया स्वागत**
- **मुख्यमंत्री ने उप-राष्ट्रपति को भेंट किया हरियाणवी लोक कला का प्रतीक सांझी स्मृति चिह्न**

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 39वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड क्राफ्ट मेला 2026 में %अपणा घर विरासत% सांस्कृतिक प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के उप - राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने किया। इस अवसर पर उनके साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता राज्य मंत्री तथा सांसद श्री कृष्ण पाल गुर्जर व हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा, हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ौली भी मौजूद रहे। अपणा घर विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी में उप-राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन व मेहमानों का स्वागत लोक पारंपरिक तरीके से पगड़ी पहनाकर किया गया। विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी में पहुंचे सभी मेहमानों ने हरियाणवी लोकजीवन में पुराने समय में प्रयोग किए जाने वाली वस्तुओं जैसे न्यौल, कांटे, घंटियां, ताले, इंढ़ी, लुगदी से बने बोहिये, बीजणे, ताखड़ी, चंगेरी, डायल, जुऐ, ओरणे, हरियाणवी लोक परिधान खारे एवं घाघरे का अवलोकन किया। इस अवसर उप-राष्ट्रपति ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को इस प्रदर्शनी के लिए विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को जोडऩे के लिए यह प्रदर्शनी एक सार्थक पहल है। इस अवसर पर विरासत दि हेरिटेज विलेज के संरक्षक डॉ. महासिंह पूनिया ने सभी मेहमानों को इन विषय-वस्तुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अपणा घर की प्रदर्शनी में जहां एक ओर लोक पारंपरिक विषय - वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है वहीं पर दूसरी ओर हरियाणवी लोक जीवन में प्रयोग की जाने वाली सैकड़ों वर्ष पुरानी विषय - वस्तु पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेंगी। यह जानकारी विरासत दि हेरिटेज विलेज के संरक्षक डॉ. महासिंह पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग हरियाणा की ओर से आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय मेले में हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत के साक्षात् रूप में दर्शन करने का अवसर मिल रहा है। डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि हरियाणा की पगड़ी का स्टॉल भी युवा पीढ़ी के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं, जिसमें पगड़ी बंधाओ, फोटो खिंचवायो इवेंट का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही हरियाणवी संस्कृति के विविध स्वरूप जिसमें चौपाल, खेती-बाड़ी के प्राचीन औजार, तीन सौ साल पुराने ताले, तेल रखने के लिए प्रयोग किए जाने वाला कूपा पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

योजना ग्रामीण भारत के लिए किसी वरदान से कम नहीं वीबी जी राम जी योजना : विरेंद्र कौशिक

- **गांव बामला में गूंजा विकास का नारा, जिला अध्यक्ष ने ग्रामीणों को दी जी राम जी योजना की जानकारी**

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। शनिवार को गांव बामला में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने ग्रामीणों से संवाद किया और सरकार की वीबी जी राम जी योजना सहित अन्य उपलब्धियों को साझा किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ और भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रमिला और काला नंबरदार द्वारा किया गया, जिन्होंने मुख्य अतिथियों का भव्य स्वागत किया। मंच से जनता को संबोधित करते हुए विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि भाजपा सरकार का एकमात्र लक्ष्य अंतिम व्यक्ति का उदय है। उन्होंने कहा कि आज बामला सहित पूरे भिवानी क्षेत्र में सडकों का जाल बिछाया जा रहा है और पीने के पानी की व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। हमारी सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि जमीन पर काम करके दिखाती है। गांव बामला के विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। इस मौके पर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही उसकी असली शक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वीरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई जी राम जी योजना ग्रामीण भारत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास और रोजगार के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव है। इसके माध्यम से हम गांव के अंतिम व्यक्ति तक स्वरोजगार और आजीविका के साधन सुनिश्चित कर रहे हैं। विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना अनिवार्य है और जी राम जी योजना इसी दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल, प्रदीप प्रजापति, धीरज बापोड़ा, सुनील धारेड़ू, सुरेश सांगा, मा. मनोज, नेशी सरपंच, राजपाल सहित अनेक लोग शामिल रहे।

पंडित जसराज की जयंती पर राज्य स्तरीय महोत्सव एवं प्रतिमा अनावरण समारोह दो फरवरी को पीलीमंदोरी में : सतीश शाहपुर

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। भारतीय शास्त्रीय संगीत के महान साधक, पद्म विभूषण एवं संगीत मार्तंड पंडित जसराज की जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय महोत्सव एवं उनकी प्रतिमा के अनावरण समारोह का आयोजन 2 फरवरी प्रातः 11 बजे, शहीद जगदीश चंद्र कडवासरा खेल स्टेडियम, पुलिस लाइन, फतेहाबाद में किया जाएगा। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। यह समारोह ऐतिहासिक और यादगार होगा।

ये बात हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के उपाध्याय सतीश साहपुर ने बोर्ड में समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कही। उन्होंने बताया कि समारोह में मुख्यमंत्री श्री सैनी के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा तथा पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी के साथ-साथ अन्य गणमान्य मंत्री/राजनीतिक व्यक्ति, प्रशासनिक अधिकारी, सांस्कृतिक जगत की प्रतिष्ठित हस्तियाँ एवं समाज के परतिष्ठित नागरिक भाग लेंगे। समारोह की अध्यक्षता जिला पार्षद ओ.पी. मालिया करेंगे। उन्होंने बताया कि इस समारोह के आयोजन में पंडित जसराज की पुत्री दुर्गा जसराज जी की अहम भूमिका है। इसके अतिरिक्त पं. सारंग देव, पं. रतन मोहन, नीराज जेटली, देव शर्मा सहित देश के जाने-माने कलाकार अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश को देश में प्रायः 'जय जवानङ्कजय किसान' की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह प्रदेश न केवल वीर सैनिकों और मेहनतकश किसानों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि भारतीय संस्कृति और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में भी इसका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। पंडित जसराज का जन्म हरियाणा की धरती पर होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है तथा यह समूचे भारत के लिए सम्मान की बात है कि भारतीय शास्त्रीय संगीत को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाने वाली ऐसी महान विभूति इसी भूमि से उत्पन्न हुई। पंडित जसराज ने मेवाती घराने की परंपरा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया और भारतीय शास्त्रीय संगीत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उनकी संगीत साधना भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक गहराई और समृद्ध परंपरा का प्रतीक है।

पंडित जसराज जी की सांस्कृतिक विरासत उनके परिवार के माध्यम से भी निरंतर आगे बढ़ती रही है। उनके परिवार से सुलक्षणा पंडित एवं सुलोचना पंडित जैसी प्रतिष्ठित अभिनेत्रियाँ तथा प्रसिद्ध संगीतकार जतिनङ्कललित जैसे कलाकारों ने भारतीय कला, संगीत और सिनेमा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह परिवार भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण अध्याय माना जाता है।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय महोत्सव एवं प्रतिमा अनावरण समारोह का उद्देश्य पंडित जसराज की स्मृति को स्थायी स्वरूप प्रदान करना, उनकी महान संगीत साधना से नई पीढ़ी को परिचित कराना तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देना है। प्रस्तावित प्रतिमा भविष्य में सांस्कृतिक प्रेरणा का केंद्र बनेगी।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने झज्जर स्थित बागवानी अनुसंधान केंद्र रईया का दौरा किया

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के अंतर्गत झज्जर के रईया स्थित बागवानी अनुसंधान केंद्र का दौरा किया। साथ ही उन्होंने किसानों के कल्याण के लिए केंद्र में चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। इस अवसर पर बोलते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीति निरंतर किसानों की आय बढ़ाने की रही है। रईया केंद्र में पहुंचने पर ग्राम पंचायत ने सरपंच की अगुवाई में कृषि मंत्री का पगड़ी बांधकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पूर्व कृषि मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़ ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को आगे बढ़ाते हुए इस क्षेत्र को बागवानी केंद्र रईया और मुनीमपुर में बीज एवं फूल उत्कृष्टता केंद्र बनाकर क्षेत्र के किसानों को बड़ी सौगात दी थी। पीढी दर पीढी जोत घटती जा रही है, ऐसे में परंपरागत खेती की बजाय किसानों को बागवानी की खेती कर अपनी आय बढ़ानी होगी। ये केंद्र किसानों के लिए बड़े लाभकारी सिद्ध होंगे। डॉ. धर्मपाल चौधरी, निदेशक अनुसंधान ने विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा के नेतृत्व में केंद्र में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र में जीरा, अजवाइन, सौंफ जैसी बीज मसाला फसलें और अंजीर, कमलम जैसे नए फलों और मसालों की खेती शुरू की गई है, जो इस क्षेत्र के लिए नई है। कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने भिवानी का उदाहरण देते कहा कि इस क्षेत्र में खजूर की खेती आरंभ की जाए, जिससे किसानों को लाभ हो सके।

भारतीय मिट्टी की खुशबू को बिखेरता है खो-खो खेल ः नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खो-खो केवल एक खेल नहीं है, यह हमारी मिट्टी की खुशबू है। यह ऐसा खेल है जो हमें सिखाता है कि संसाधनों की कमी कभी भी प्रतिभा के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। इसमें न तो महंगे उपकरणों और न ही बड़े मैदानों की आवश्यकता होती है। इसमें फुर्ती, रणनीति, टीम वर्क, अनुशासन और तीव्र निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को केशव पार्क में 35वीं सब जूनियर नैशनल खो-खो चैम्पियनशिप (लडक़े, लड़कियां) के उदघाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधिवत रूप से खेलों के शुभारंभ की घोषणा की तथा एसोसिएशन को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की और खिलाडिय़ों से मिलकर परिचय भी लिया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार और राज्यसभा के सासंद सुभाष बराला ने भी खिलाडिय़ों को सम्बोधित किया तथा आयोजकों को बेहतरीन आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में खेलों के लिए एक स्पष्ट और दूरदर्शी विजन तैयार किया। इसका उद्देश्य था हर बच्चे को खेल से जोड़ना, हर गांव में खेल का मैदान विकसित करना और हर उस युवा को अवसर देना, जिसमें खेल के प्रति जुनून और क्षमता है। इसी उद्देश्य से हम प्रदेश में वर्षभर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2036 के ओलंपिक के लिए तैयार करने और देश को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का सपना देखा है।